INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

# RAS

## (Rajasthan Administrative Service)

प्रारंभिक परीक्षा हेतु

**RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION**

भाग – 2

## राजस्थान का भूगोल + राजव्यवस्था + अर्थव्यवस्था

# प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**RAS (Rajasthan Administrative Service) प्रारंभिक परीक्षा हेतु** " को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**Rajasthan State and Subordinate Services Combined Competitive Exams**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

***अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/***


**प्रकाशकः**

***INFUSION NOTES***

*जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)*

*मो : 9887809083*

*ईमेल : contact@infusionnotes.com*

*वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com*



**Order Link -** **https://bit.ly/ras-pre-notes**

**WhatsApp Link-** **https://wa.link/bc7sin**


**मूल्य : ₹**

**संस्करण : नवीनतम**

| क्र.सं. | अध्याय | पृष्ठ सं. |
| --- | --- | --- |
| | राजस्थान का भूगोल | |
| 1. | सामान्य परिचय | 1 |
| 2. | प्रमुख भू – आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएं | 20 |
| 3. | जलवायु की विशेषताएं | 33 |
| 4. | प्रमुख नदियाँ एवं झीलें | 45 |
| 5. | प्राकृतिक वनस्पति | 65 |
| 6. | मृदा | 76 |
| 7. | प्रमुख फसलें<br>• गेहूँ<br>• मक्का<br>• जौ<br>• कपास<br>• गन्ना<br>• बाजरा | 81 |
| 8. | राजस्थान में पशुपालन | 92 |
| 9. | प्रमुख उद्योग | 101 |
| 10. | प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ एवं जल संरक्षण तकनीकें | 105 |
| 11. | जनसंख्या-वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात एवं<br>• प्रमुख जनजातियाँ | 116 |
| 12. | खनिज-धात्विक एवं अधात्विक | 126 |
| 13. | ऊर्जा संसाधन-परम्परागत एवं गैर परम्परागत | 138 |
| 14. | जैव विविधता एवं इनका संरक्षण | 150 |
| 15. | पर्यटन स्थल एवं परिपथ | 154 |

| | | |
|---|---|---|
| | राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था | |
| 1. | राज्य की राजनीतिक व्यवस्था | 171 |
| 2. | राज्यपाल | 172 |
| 3. | मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद् | 179 |
| 4. | राज्य विधान मण्डल व विधानसभा | 187 |
| 5. | उच्च न्यायालय | 196 |
| 6. | जिला प्रशासन | 203 |
| 7. | स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज संस्थाएं | 208 |
| 8. | राजस्थान लोक सेवा आयोग | 217 |
| 9. | राज्य मानवाधिकार आयोग | 220 |
| 10. | लोकायुक्त | 223 |
| 11. | राज्य निर्वाचन आयोग | 226 |
| 12. | राज्य सूचना आयोग | 228 |
| 13. | लोक नीति | 232 |
| 14. | विधिक अधिकार | 234 |
| 15. | नागरिक अधिकार – (नागरिक घोषणापत्र) | 235 |
| | राजस्थान की अर्थव्यवस्था | |
| 1. | अर्थव्यवस्था का वृहत् परिदृश्य | 238 |
| 2. | कृषि, उद्योग व सेवा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे | 246 |
| 3. | संवृद्धि, विकास एवं आयोजना | 265 |
| 4. | आधारभूत संरचना एवं संसाधन | 266 |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | प्रमुख विकास परियोजनायें<br>• राज्य सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाएँ :<br>• अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / पिछड़ वर्ग / अल्पसंख्यकों<br>• निःशक्तजनों, निराश्रितों, महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों, कृषकों एवं श्रमिकों के लिए | 270 |

# राजस्थान का भूगोल

## अध्याय – 1

## सामान्य परिचय

प्रिय छात्रों, राजस्थान के भूगोल का अध्ययन करने के लिए हम इसे दो भागों में विभाजित करेंगे-

1. सामान्य परिचय
2. भौतिक स्वरुप

**1. सामान्य परिचय -**

प्रिय छात्रों, सामान्य परिचय के अंतर्गत हम राजस्थान के निम्न विषयों को विस्तार से समझेंगे-

(क) राजस्थान शब्द का उल्लेख
(ख) राजस्थान की स्थिति
(ग) राजस्थान का विस्तार
(घ) राजस्थान का आकार
(ङ) राजस्थान की आकृति

**2. भौतिक स्वरुप -**

इसी प्रकार भौतिक स्वरुप के अंतर्गत हम निम्न विषयों को विस्तार से समझेंगे –

(क) पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश
(ख) अरावली पर्वतीय प्रदेश
(ग) पूर्वी मैदानी प्रदेश
(घ) दक्षिण पूर्वी पठारी प्रदेश

**राजस्थान का परिचय**

**राजस्थान शब्द का अर्थ** :- राजाओं का स्थान

**(क) राजस्थान शब्द का उल्लेख :-**

- राजस्थान शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख राजस्थानी साहित्य विक्रम संवत 682 ई. में उत्कीर्ण बसंतगढ़ (सिरोही जिला) के शिलालेख में मिलता है।
- मारवाड़ इतिहास के प्रसिद्ध लेखक **"मुहणोत नैणसी"** ने भी अपनी पुस्तक "नैणसी री ख्यात" में भी **राजस्थान शब्द का प्रयोग** किया है, लेकिन इस पुस्तक में यह शब्द भौगोलिक प्रदेश राजस्थान के लिए प्रयुक्त हुआ नहीं लगता। महर्षि वाल्मीकि ने राजस्थान की भौगोलिक क्षेत्र के लिए "मरुकान्तार" शब्द का उल्लेख किया है।

**जॉर्ज थॉमस** पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने सन् 1800 ई. में इस भौगोलिक क्षेत्र को **"राजपूताना"** शब्द कहकर पुकारा था। इस तथ्य का वर्णन विलियम फ्रैंकलिन ने अपनी पुस्तक "मिलिट्री मेमोरीज ऑफ़ मिस्टर थॉमस" में किया है।

**जॉर्ज थॉमस का परिचय :-**

- जॉर्ज थॉमस एक आयरलैंड के सैनिक थे, जो कि 18 वीं. सदी में भारत आए और 1798 से 1801 तक भारत में एक छोटे से क्षेत्र (हिसार-हरियाणा) के राजा रहे। इन्होंने राजस्थान को "राजपूताना" शब्द इसलिए कहा क्योंकि मध्यकाल एवं पूर्व आधुनिक काल में राजस्थान में अधिकांश राजपूत राजवंशों का शासन् था। ब्रिटिश काल में इस क्षेत्र को "राजपूताना" कहा जाता था।

**विलियम फ्रैंकलिन :-**

- विलियम फ्रैंकलीन मूल रूप से लंदन के निवासी थे। यह जॉर्ज थॉमस के घनिष्ट मित्र थे। उन्होंने 1805 ई. में जॉर्ज थॉमस के ऊपर "A Military Memories of George Thomas" नामक पुस्तक लिखी थी।
- अकबर के नवरत्नों में से एक मध्यकालीन इतिहासकार **"अबुल फजल"** ने इस भौगोलिक क्षेत्र के लिए **"मरुभूमि"** शब्द का प्रयोग किया है।
- 1829 ईस्वी में **"कर्नल जेम्स टॉड"** ने अपनी पुस्तक **"एनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान"** में सर्वप्रथम राजस्थान को रायथान, रजवाड़ा" या राजस्थान का नाम दिया था।

**कर्नल जेम्स टॉड :-**

- कर्नल जेम्स टॉड 1818 से 1822 के मध्य मेवाड़ (उदयपुर) प्रांत में एक पॉलिटिकल (राजनीतिक) एजेंट थे तथा कुछ समय तक मारवाड़ रियासत के ब्रिटिश एजेंट भी रहे।
- कर्नल जेम्स टॉड ब्रिटेन के मूल निवासी थे, उन्होंने अपने घोड़े पर घूम - घूम कर राजस्थान के इतिहास लेखन का कार्य किया इसलिए इन्हें **घोड़े वाले बाबा** के नाम से भी जाना जाता है।
- कर्नल जेम्स टॉड को **"राजस्थान के इतिहास का पितामह"** कहा जाता है।
- कर्नल जेम्स टॉड की पुस्तक एनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" को "सेंट्रल एंड वेस्टर्न राजपूत स्टेट्स ऑफ इंडिया" के नामक से भी जानते हैं
- इस पुस्तक का पहली बार हिंदी अनुवाद राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार "गौरीशंकर –हीराचंद ओझा" ने किया था। इसे हिंदी में "प्राचीन राजस्थान का विश्लेषण" कहते है।
- कर्नल टॉड सर्वेक्षण के सिलसिले में अजमेर और उदयपुर में कई जगह पर रहे थे- उनमें भीम नामक कस्बे में छोटा सा गाँव बोरसवाडा भी था- जो जंगलों और अरावली-पहाड़ों से घिरा हुआ है।
- उन्हें यह जगह पसंद आई तो उदयपुर के महाराजा भीम सिंह की सहमति से स्वयं के लिए बोरसवाडा में एक छोटा सा किला बनवा लिया।
- महाराज भीम सिंह ने कर्नल की सेवाओं से प्रभावित होकर गाँव का नाम टॉडगढ़ रख दिया, जो कालान्तर में टाडगढ़ कहलाने लगा। टाडगढ़ आज अजमेर जिले की एक तहसील का मुख्यालय है।
- कर्नल टॉड के किले में वर्तमान में सरकारी स्कूल चलता है।

**(ख) राजस्थान की स्थिति :-** प्रिय छात्रों, राजस्थान की स्थिति को हम सर्वप्रथम पृथ्वी पर तत्पश्चात एशिया में और फिर भारत में देखेंगे।

(1) राजस्थान की स्थिति "पृथ्वी" पर: - पृथ्वी पर राजस्थान की स्थिति को समझने से पहले निम्नलिखित अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को समझना होगा –

(क) अंगारा लैंड / यूरेशियल प्लेट
(ख) गोंडवाना लैंड प्लेट
(ग) टेथिस सागर
(घ) पेंजिया
(ङ) पेंथालासा

**नोट:-** प्रिय छात्रों, कृपया ध्यान दें कि – आज से लाखों करोड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी दो भागों में विभाजित थी।

1. स्थल
2. जल

- जैसा कि आज भी दिखाई देता है, लेकिन वर्तमान में यदि हम स्थल मंडल को देखें तो हमें यह कई भागों में विभाजित दिखाई देता है, जैसे सात महाद्वीप अलग - अलग हैं।
- उनके भी कई देश एक - दूसरे से काफी अलग अलग है। लेकिन लाखों – करोड़ों वर्ष पूर्व संपूर्ण स्थलमंडल सिर्फ एक ही था।
- इसी **स्थलीय क्षेत्र को "पेंजिया"** के नाम से जानते थे तथा शेष बचे हुए भाग को **(जल वाले क्षेत्र को) "पेंथालासा"** के नाम से जानते थे।
- नीचे दिए गए मानचित्र से समझने की कोशिश कीजिए-

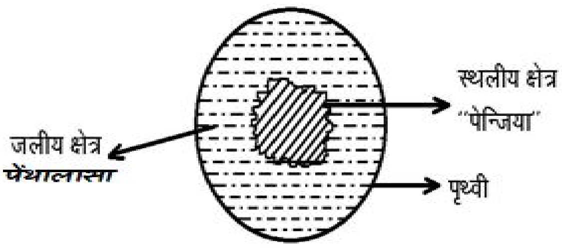


- प्रिय छात्रों, पृथ्वी परिक्रमण एवं परिभ्रमण गति करती है अर्थात् अपने स्थान पर भी (1 दिन में) घूमती है, और सूर्य का चक्कर भी लगाती है। पृथ्वी की इस गति की वजह से स्थल मंडल की प्लेटों में हलचल होने की वजह से पेंजिया (स्थलीय क्षेत्र) दो भागों में विभाजित हो गया जिसके उत्तरी भाग में उत्तरी अमेरिका, यूरोप और उत्तरी एशिया का निर्माण हुआ। इस **स्थलीय क्षेत्र को "अंगारा लैंड / यूरेशियन प्लेट"** के नाम से जानते है।
- इसके दूसरे भाग (दक्षिणी) में दक्षिणी अमेरिका, दक्षिणी एशिया, अफ्रीका तथा अंटार्कटिका का निर्माण हुआ, इस क्षेत्र को **"गोंडवाना लैंड"** 'प्लेट' के नाम से जानते है।
- दोनों प्लेटों के बीच में विशाल सागर था जिसे "टेथिस सागर" के नाम से जानते थे।
- इसको नीचे दिए गए मानचित्र की सहायता से समझते हैं-

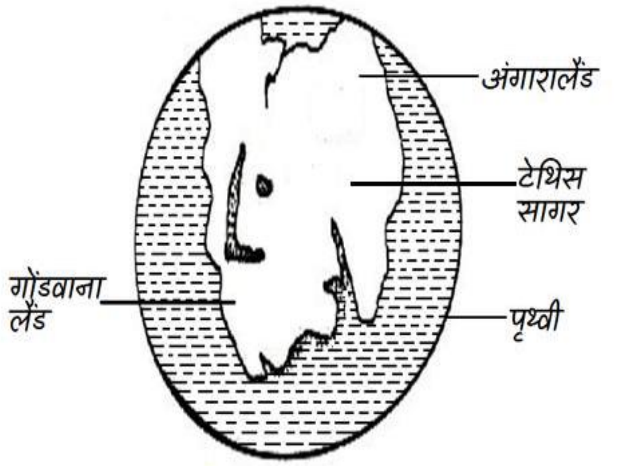


**विशेष नोट :-** राजस्थान का पश्चिमी रेगिस्तान तथा रेगिस्तान में स्थित खारे पानी की झीलें "टेथिस सागर" के अवशेष है तथा राजस्थान का मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्र (अरावली पर्वतमाला) एवं दक्षिण पूर्वी पठारी भाग "गोंडवाना लैंड" प्लेट के हिस्से है।

**टेथिस सागर-** टेथिस सागर को गोंडवाना लैंड प्लेट और यूरेशियन प्लेट के मध्य स्थित एक सागर के रूप में कल्पित किया जाता है जो कि एक छिछला और संकरा सागर था, और इसी में जमा अवसादों के प्लेट विवर्तनिकी के परिणाम स्वरुप अफ्रीकी और भारतीय प्लेटों के यूरेशियन प्लेट के टकराने के कारण हिमालय और आल्प्स जैसे महान पहाड़ों की रचना हुई है।

प्रिय छात्रों, अब तक हम अंगारा लैंड, गोंडवाना लैंड, टेथिस सागर, पेंजिया तथा पेंथाल्सा का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर चुके है। अब हम **पृथ्वी पर राजस्थान की** स्थिति, का अध्ययन करते है। नीचे दिए गए मानचित्रों को ध्यान से समझिए-

प्रिय छात्रों ऊपर दिए गए मानचित्र के बारे में एक बार समझते हैं।

- **पृथ्वी को भूमध्य रेखा** (विषुवत रेखा) से दो **भागों में** विभाजित किया गया है –

1. उत्तरी गोलार्द्ध
2. दक्षिणी गोलार्द्ध

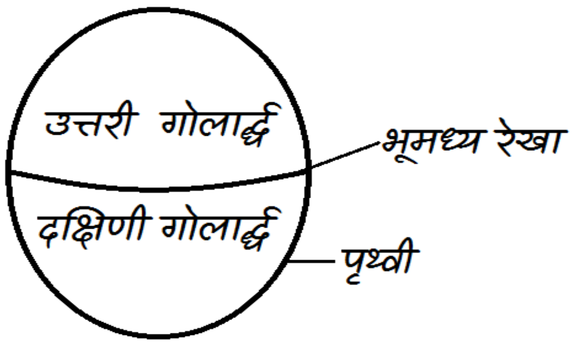


मानचित्र – I

इसे आप मानचित्र – 1 के माध्यम से समझ सकते हैं।
इसी प्रकार ग्रीनविच रेखा पृथ्वी को दो भागों में बांटती है-
1. पूर्वी क्षेत्र
2. पश्चिमी क्षेत्र

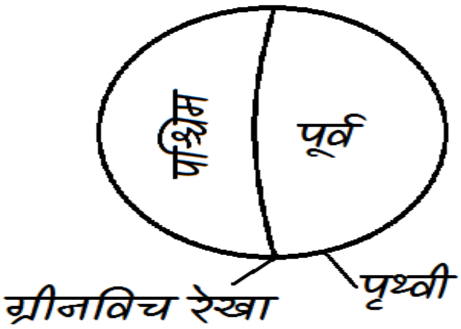


मानचित्र – 2

जिसे आप मानचित्र – 2 में देख सकते है।

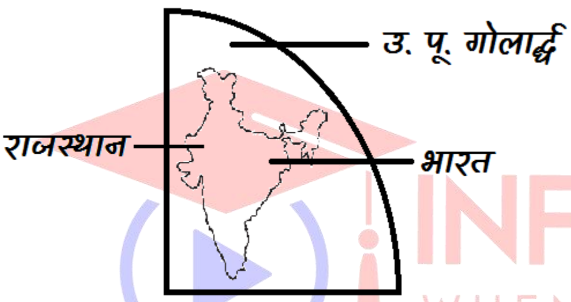


मानचित्र – 3

**नोट :-**

1. विश्व (अर्थात् **पृथ्वी पर**) में राजस्थान **"उत्तर - पूर्व"** दिशा में स्थित है। (देखे मानचित्र– 3 )
2. एशिया महाद्वीप में राजस्थान **"दक्षिणी -पश्चिम"** दिशा में स्थित है। (देखिए मानचित्र – 3,4)

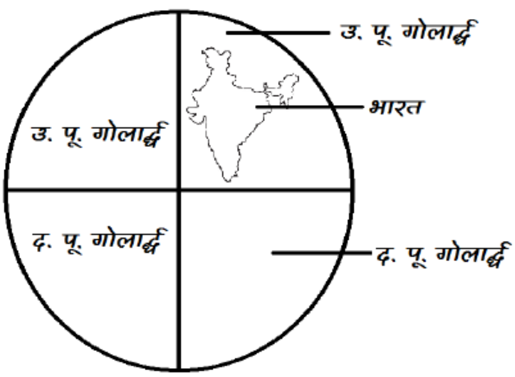


मानचित्र – 4

3. **भारत में** राजस्थान **उत्तर - पश्चिम** में स्थित है। देखिए मानचित्र -4 (भारत)]

अब तक हमने देखा कि राजस्थान शब्द का उद्भव कैसे हुआ? तथा हम ने समझा कि पृथ्वी पर राजस्थान की स्थिति कहां पर है? अब हम अपने अगले बिंदु "राजस्थान का विस्तार" के बारे में पढ़ते हैं-

**<u>राजस्थान का विस्तार</u> -**इसका अध्ययन करने से पहले इससे जुड़े हुए कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझिए-

1. भूमध्य रेखा (विषुवत रेखा)
2. कर्क रेखा
3. मकर रेखा
4. अक्षांश
5. देशांतर

**इन मानचित्र को ध्यान से समझिए-**

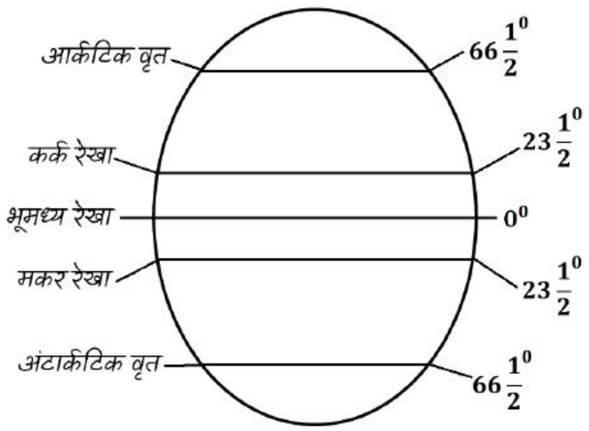


मानचित्र – 1

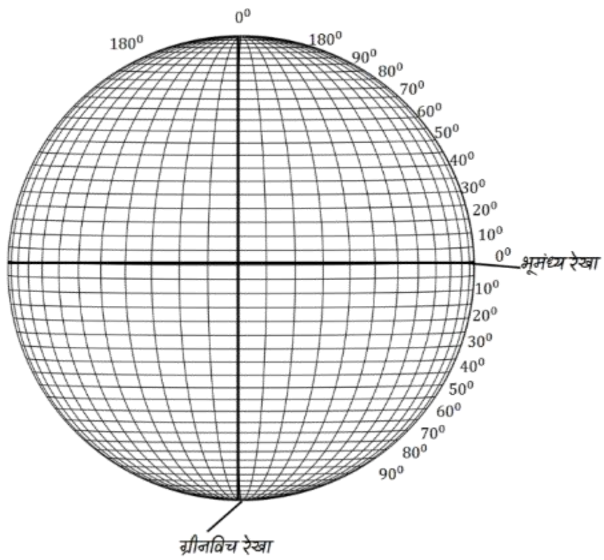


मानचित्र – 2

***नोट*** *- भूमध्य रेखा :- "विषुवत रेखा या भूमध्य रेखा" पृथ्वी की सतह पर उत्तरी ध्रुव एवं दक्षिणी ध्रुव से समान दूरी पर स्थित एक काल्पनिक रेखा है। यह पृथ्वी को दो गोलार्द्धों, उत्तरी व दक्षिणी में विभाजित करती है।*

*इस रेखा पर प्राय: वर्ष भर दिन और रात की अवधि बराबर होती, यही कारण है कि इसे **विषुवत रेखा या भूमध्य रेखा** कहा जाता है।*

*विषुवत रेखा के उत्तर में कर्क रेखा है व दक्षिण में मकर रेखा है।*

***नोट-*** *पृथ्वी या ग्लोब को दो काल्पनिक रेखाओं द्वारा "उत्तर - दक्षिण तथा पूर्व - पश्चिम" में विभाजित किया गया है । इन्हें अक्षांश व देशांतर रेखाओं के नाम से जानते हैं।*

***अक्षांश रेखाएँ*** *- वह रेखाएं जो ग्लोब पर पश्चिम से पूर्व की ओर बनी हुई हैं, अर्थात् भूमध्य रेखा से किसी भी स्थान की उत्तरी अथवा दक्षिणी ध्रुव की ओर की कोणीय दूरी को अक्षांश रेखा कहते हैं।*

***भूमध्य रेखा को अक्षांश रेखा*** *माना गया है। (देखें मानचित्र -1)*

*ग्लोब पर कुछ अक्षांशों की संख्या (90° उत्तरी गोलार्द्ध में और 90° दक्षिणी गोलार्द्ध में) कुल 180° है तथा अक्षांश रेखा को शामिल करने पर इनकी संख्या 181° होती है।*

***देशांतर रेखाएं-*** *उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव को मिलाने वाली 360° रेखाओं को देशांतर रेखाएँ कहा जाता है।*

*पृथ्वी के उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुव को मिलाने वाली और उत्तर - दक्षिण दिशा में खींची गयी। **काल्पनिक रेखाओं को याम्योत्तर , देशान्तर , मध्यान्तर रेखाएं कहते हैं।***

- *ग्रीनविच, (जहाँ ब्रिटिश राजकीय वेधशाला स्थित है) से गुजरने वाली याम्योत्तर से पूर्व और पश्चिम की ओर गिनती शुरू की जाए । इस यामोत्तर को प्रमुख यामोत्तर कहते हैं।*
- *इसका मान देशांतर है तथा यहाँ से हम 180° डिग्री पूर्व या 180° डिग्री पश्चिम तक गणना करते हैं।*

***नोट*** *-उपर्युक्त विषय को अधिक विस्तार से समझने के लिए हमारी अन्य पुस्तक ''भारत एवं विश्व का भूगोल पढ़े"।*

*राजस्थान का **अक्षांशीय विस्तार 23°03" से 30°12" उत्तरी अक्षांश** ही तक है जिसका **अंतर 7°09 मिनट** है। जबकि राजस्थान का **देशांतरीय विस्तार 69°30" से 78°17" पूर्वी देशांतर** है। जिसका अंतर **8°47 मिनट है।** (देखें मानचित्र A, B)*

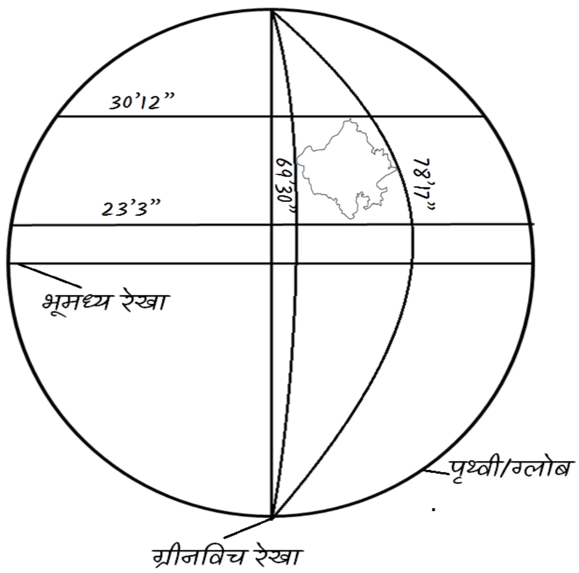


***(मानचित्र-A)***

***नोट-*** *राजस्थान का कुल अक्षांशीय विस्तार 7°9" (30°12" - 23°03") है तथा कुल देशांतरीय विस्तार 8°47" (78°17" - 69°30") है।*

***1° = 4 मिनट***

***1" =111.4 किलोमीटर होता है ।***

- *राजस्थान का कुल **क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर** है जो कि संपूर्ण भारत का **10.41%** है।*
- *भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किलोमीटर है।*

***प्रश्न. 1 भारत के कुल भू - भाग का कितना प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान में है । (RAS-2016)***

***(A) 10.4 प्रतिशत (B) 7.9 प्रतिशत***

***(c) 13.3 प्रतिशत (D) 11.4 प्रतिशत***

***उत्तर :- (A)***

- *जो हिमाच्छादित हिमालय की ऊंचाइयों से शुरू होकर दक्षिण के विषुवतीय वर्षा वनों तक फैला हुआ है। जो संपूर्ण विश्व का 2.42% है।*
- *1 नवंबर 2000 से पूर्व क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का **सबसे बड़ा राज्य मध्यप्रदेश** था, लेकिन 1 नवंबर 2000 के बाद मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ को अलग होने हो जाने पर भारत का **सबसे बड़ा राज्य** (क्षेत्रफल की दृष्टि से) राजस्थान बन गया।*

*2011 में राजस्थान की कुल जनसंख्या 68,548,437 थी। जो कि कुल देश की जनसंख्या का **5.67%** है।*

INFUSION NOTES
ONLY THE BEST WILL DO

***रेडक्लिफ रेखा पर भारत के तीन राज्य एवं दो केंद्रशासित प्रदेश स्थित हैं।***

1. पंजाब (514 कि.मी.)
2. राजस्थान (1070 कि.मी.)
3. गुजरात (510 कि.मी.)

**दो केंद्रशासित प्रदेश :-**

| | |
|---|---|
| 1. जम्मू – कश्मीर | 1216 किमी |
| 2. लद्दाख | |

- रेडक्लिफ रेखा के साथ **सबसे कम सीमा- गुजरात (510 कि.मी.)**
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक नजदीक राजधानी मुख्यालय - श्रीनगर
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक दूर राजधानी मुख्यालय - जयपुर
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में बड़ा राज्य - राजस्थान
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में सबसे छोटा राज्य - पंजाब
- रेडक्लिफ रेखा के साथ राजस्थान की कुल सीमा **1070 कि.मी.** है। जो **राजस्थान के छः जिलों** से लगती है।

1. श्रीगंगानगर-210 कि.मी.
2. अनूपगढ़
3. बीकानेर-168 कि.मी.
4. फलौदी
5. जैसलमेर- 464 कि.मी.
6. बाड़मेर- 228 कि.मी.

रेडक्लिफ पर सर्वाधिक सीमा जैसलमेर तथा न्यूनतम सीमा रेखा फलौदी बनाता है ।

- रेडक्लिफ रेखा राज्य में उत्तर में श्रीगंगानगर के **हिन्दूमल कोट** से लेकर दक्षिण - पश्चिम में बाड़मेर के बाखासर गाँव, सेडवा तहसील तक विस्तृत है।
- रेडक्लिफ रेखा पर पाकिस्तान के 9 जिले पंजाब प्रान्त का बहावलपुर, बहावल नगर व रहीमयारखान तथा सिंध प्रान्त के घोटकी, सुक्कुर, खैरपुर, संघर, उमरकोट व थारपाकर राजस्थान से सीमा बनाती हैं।
  राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा – बहावलपुर
  राजस्थान के साथ न्यूनतम सीमा- खैरपुर
  पाकिस्तान के दो प्रांत राजस्थान की सीमा को छूते हैं।
  1. पंजाब प्रांत
  2. सिंध प्रांत
- रेडक्लिफ रेखा एक कृत्रिम रेखा है।
- राजस्थान की रेडक्लिफ रेखा से सर्वाधिक सीमा जैसलमेर (464 कि.मी.) व न्यूनतम सीमा फलौदी की लगती है।
- रेडक्लिफ के नजदीक जिला मुख्यालय –अनूपगढ़
- रेडक्लिफ के सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय - बीकानेर
- रेडक्लिफ रेखा पर सबसे बड़ा जिला - जैसलमेर
- रेडक्लिफ रेखा पर सबसे छोटा जिला – श्रीगंगानगर

- राजस्थान के केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले जिले - 6 (बीकानेर, जैसलमेर, फलौदी, अनूपगढ़, श्रीगंगानगर, बाड़मेर)
- मूल रूप से 4 जिले :- (बीकानेर, जैसलमेर, फलौदी, अनूपगढ़)

अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्य 2 जिले –
(i) श्रीगंगानगर (पाकिस्तान + पंजाब)
(ii) बाड़मेर (पाकिस्तान + गुजरात)

राजस्थान के 21 जिलें (जयपुर ग्रामीण, जयपुर, नागौर, डीडवाना-कुचामन, सीकर, गंगापुरसिटी, सलुम्बर, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, बालोतरा, जालौर, पाली, राजसमन्द, शाहपुरा, केकड़ी, ब्यावर, अजमेर, टोंक, बूंदी, दौसा और दूदू) ऐसे जिलें हैं जो न तो अंतरराज्यीय सीमा बनाते हैं तथा न ही अंतरराष्ट्रीय ।

झालावाड मध्यप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा (520 कि.मी) बनाता है तथा बाड़मेर गुजरात के साथ न्यूनतम 14 कि.मी. की सीमा बनाता है।

राजस्थान के 4 जिले ऐसे है जिनकी सीमा दो – दो राज्यों से लगती है-
हनुमानगढ़ :- पंजाब + हरियाणा
धौलपुर :- उत्तरप्रदेश + मध्यप्रदेश
बाँसवाड़ा :- मध्यप्रदेश + गुजरात
डीग :- उत्तरप्रदेश + हरियाणा

राजस्थान की पाकिस्तान के साथ सीमा

❖ **महत्त्वपूर्ण प्रश्न**

1. राजस्थान का प्रवेश द्वार किसे कहा जाता है - भरतपुर
2. महुआ के पेड़ पाये जाते है – उदयपुर व चित्तौड़गढ़
3. राजस्थान में छप्पनिया अकाल किस वर्ष पड़ा - 1956 वि.सं.
4. राजस्थान में मानसून वर्षा किस दिशा में बढ़ती है – दक्षिण - पश्चिम से उत्तर - पूर्व में

   **नोट :-** लेकिन राजस्थान में उत्तर – पश्चिम से दक्षिण - पूर्व की ओर वर्षा की मात्र में वृद्धि होती है।
5. राजस्थान में गुरु शिखर चोटी की ऊँचाई कितनी है -1722 मीटर
6. राजस्थान में किस शहर को सन सिटी के नाम से जाना जाता है – जोधपुर को
7. राजस्थान की आकृति है – विषम कोण चतुर्भुज
8. राजस्थान के किस जिले का क्षेत्रफल सबसे ज्यादा है - जैसलमेर
9. राज्य की कुल स्थलीय सीमा की लम्बाई है - 5920 किमी
10. राजस्थान का सबसे पूर्वी जिला है - धौलपुर
11. राजस्थान का सागवान कौन सा वृक्ष कहलाता है – रोहिड़ा
12. राजस्थान के किस क्षेत्र में सागौन के वन पाए जाते है - दक्षिणी
13. जून माह में सूर्य किस जिले में लम्बत् चमकता है – बाँसवाड़ा
14. राजस्थान में पूर्ण मरुस्थल वाले जिलें हैं- जैसलमेर, बाड़मेर

- इस नव गठित ब्यावर जिले में 6 उपखंड (ब्यावर, टाटगढ़, जैतारण, रायपुर, मसूदा और बिजनौर) शामिल किए गए हैं।

**केकड़ी :-**

**जिला मुख्यालय** - केकड़ी

अजमेर और टोंक जिले को पुनर्गठित करके नया जिला केकड़ी बनाया गया है।

केकड़ी जिले में 5 उपखंड शामिल किए गए हैं। इनमें केकड़ी, सावर, भिनाय, सरवाड़ और टोडारायसिंह शामिल है।

**सलूम्बर :-**

**जिला मुख्यालय** - सलूम्बर

उदयपुर जिले का पुनर्गठन करके नए जिले सलूम्बर का गठन किया गया है।

सलूंबर जिले में 4 उपखंड (सराडा, सेमारी, लसाडिया और सलूम्बर) शामिल किए गए हैं।

**शाहपुरा :-**

**जिला मुख्यालय** - शाहपुरा

- भीलवाड़ा जिले का पुनर्गठन करके नया जिला शाहपुरा बनाया गया है।
- शाहपुरा जिले में 6 उपखंड (शाहपुरा, जहाजपुर, फूलियाकलां, बनेड़ा और कोटडी) शामिल किए गए हैं।

**सांचौर :-**

- जिला मुख्यालय - सांचौर
- जालौर जिले का पुनर्गठन करके नए जिले सांचौर का गठन किया गया है।
- सांचौर जिले में 4 उपखंड (सांचौर, बागोड़ा, चितलवाना और रानीवाड़ा) शामिल किए गए हैं।

## राजस्थान के संभाग

- 30 मार्च 1949 को राजस्थान में संभागीय व्यवस्था की शुरुआत हुई थी ।
- शुरुआत में राजस्थान में 5 संभाग (जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर) थे।
- 24 अप्रैल 1962 को संभागीय व्यवस्था को तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाडिया ने बंद कर दिया ।
- संभागीय व्यवस्था की पुनः शुरुआत 26 जनवरी 1987 को तत्कालीन मुख्यमंत्री हरिदेव जोशी नें की तथा अजमेर को जयपुर से अलग कर छठा संभाग बनाया।
- 4 जून 2005 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे नें भरतपुर को सातवाँ संभाग बनाया ।
- 7 अगस्त 2023 को रामलुभाया कमेटी की सिफारिश पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा सीकर, पाली और बांसवाड़ा 3 नये संभाग व 19 नये जिले बनाये गये ।
- 3 नवगठित व 7 पुराने संभागों को मिलाकर राजस्थान में कुल 10 संभाग हो गये है।

राजस्थान के 10 संभागो के नाम निम्नलिखित है-

| | |
|---|---|
| 1. अजमेर | 2. उदयपुर |
| 3. कोटा | 4. जयपुर |
| 5. जोधपुर | 6. पाली |
| 7. बांसवाडा | 8. बीकानेर |
| 9. भरतपुर | 10. सीकर |

राजस्थान में संभागीय व्यवस्था

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. **अजमेर संभाग** – अजमेर संभाग में 7 जिले ब्यावर, शाहपुरा, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, केकड़ी, टोंक, नागौर आते हैं।
2. **उदयपुर संभाग** – उदयपुर संभाग में 5 जिले आते हैं- उदयपुर, भीलवाडा, चित्तौड़गढ़, सलुम्बर, राजसमन्द ।
   **ट्रिक – उदय भील** का **चित्तौड़** से **सलुम्बर** तक **राज** है।
3. **कोटा संभाग**- कोटा संभाग में 4 जिले (बारां, बूंदी, कोटा, झालावाड़) आते है।
4. **जयपुर संभाग** – जयपुर संभाग में 6 जिले (जयपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, दौसा, दूदू) आते हैं।
5. **जोधपुर संभाग**- जोधपुर संभाग में 6 जिले (जोधपुर / जोधपुर ग्रामीण, बाड़मेर, फलौदी, बालोतरा, जैसलमेर)
6. **पाली संभाग** – पाली संभाग में 4 जिले (पाली, जालौर, सांचौर, सिरोही) शामिल है।
7. **बांसवाड़ा संभाग** – बांसवाडा संभाग में 3 जिले (बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़) शामिल है।
8. **बीकानेर संभाग** - बीकानेर संभाग में 4 जिले (श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, अनूपगढ़, बीकानेर) शामिल है।
9. **भरतपुर संभाग** – भरतपुर संभाग में 6 जिले (भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी और डीग) शामिल है।
10. **सीकर संभाग** – सीकर संभाग में 4 जिले (झुंझुनू, सीकर, चुरू और नीम का थाना) शामिल हैं।

**अंतर्राष्ट्रीय सीमा**

**अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले संभाग - बीकानेर व जोधपुर**

- सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाला संभाग – जोधपुर
- न्यूनतम अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाला संभाग - बीकानेर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा के नजदीक संभागीय मुख्यालय - बीकानेर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा से दूर संभागीय मुख्यालय -जोधपुर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा संभाग - जोधपुर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर क्षेत्रफल में छोटा संभाग-बीकानेर

राजस्थान के वे जिले जो अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय नहीं बनाते हैं।

**21 जिले** - (जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, बालोतरा, जालौर, पाली, राजसमन्द, शाहपुरा, केकड़ी, ब्यावर, अजमेर, टोंक, दौसा, बूंदी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, डीडवाना-कुचामन, सीकर, नागौर, सलुम्बर तथा गंगापुरसिटी)

**अंतर्राज्यीय सीमा**

- अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाले संभाग – 9
- केवल अंतरराज्यीय सीमा बनाने वाले संभाग – 7
- अंतर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय दोनों सीमा बनाने वाले संभाग -2 (बीकानेर व जोधपुर)
- ऐसा संभाग जो न तो अंतर्राष्ट्रीय व न ही अन्तर्राज्यीय सीमा बनाता है – । (अजमेर)
- सर्वाधिक अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाला संभाग - उदयपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा के नजदीक संभागीय मुख्यालय - भरतपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा से दूर संभागीय मुख्यालय - जोधपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा संभाग -जोधपुर
- अंतर्राज्यीय सीमा पर क्षेत्रफल में छोटा संभाग – बांसवाड़ा संभाग
- दो बार अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाला संभाग -उदयपुर (चित्तौड़गढ़ के दो भाग)
- राजस्थान का मध्यवर्ती संभाग - अजमेर
- राजस्थान अपने **वर्तमान स्वरूप 1 नवम्बर 1956** को आया।
- वर्तमान में राजस्थान में 7 जिलों वाले 2 संभाग (जयपुर व अजमेर) है ।
- 6 जिलों वाले दो संभाग (भरतपुर व जोधपुर) है।
- 5 जिलों वाला एक संभाग उदयपुर है।
- 4 जिलों वाले 4 संभाग (बीकानेर, सीकर, कोटा और पाली) है।
- 3 जिलों वाला एक संभाग बांसवाड़ा संभाग है ।
- केवल एक संभाग की सीमा को स्पर्श करनें वाला संभाग – बांसवाड़ा
- राज्य के सर्वाधिक 8 संभागों की सीमा को स्पर्श करनें वाला संभाग – अजमेर
- तीन राज्यों की सीमा को स्पर्श करने वाला संभाग – भरतपुर संभाग
- सर्वाधिक नदियों वाला संभाग – कोटा संभाग
- सर्वाधिक नदियों वाला जिला – उदयपुर
- सर्वाधिक वर्षा एवं आर्द्रता वाला संभाग – कोटा संभाग
- राजस्थान का पूर्वी संभाग – भरतपुर संभाग
- राजस्थान का पश्चिमी संभाग – जोधपुर संभाग

❖ **महत्त्वपूर्ण प्रश्न**

1. राजस्थान दिवस मनाया जाता है ? - 30 मार्च
2. मत्स्य संघ का प्रशासन् राजस्थान को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया ? – सन् 1949 में 15 मई 1949 को जब मत्स्य संघ का विलय संयक्त वृहत राजस्थान में किया गया।
3. राजपूताना के भौगोलिक क्षेत्र को राजस्थान नाम दिया गया? - 1 नवम्बर 1956
4. वृहत राजस्थान के प्रधानमंत्री थे? – हीरा लाल शास्त्री
5. कितनी रियासतों और ठिकानों के एकीकरण से राजस्थान का निर्माण हुआ ? - 19 रियासतें और 3 ठिकानें
6. 1527 में महाराणा सांगा व बाबर के मध्य खानवा का युद्ध किस जिले में हुआ ? - भरतपुर।
7. महाराणा प्रताप को किसने अपनी संपत्ति प्रदान की? - भामाशाह।

8. दिवेर के युद्ध (अक्टू- 1582) के पश्चात् महाराणा प्रताप की राजधानी कहाँ थी? - चावंड।
9. मेवाड़ के इतिहास में राजकुमार को बचाने के लिए अपने बच्चे की कुर्बानी दी?. पन्नाधाय।
10. अजयराज चौहान संस्थापक थे? – अजमेर के ।
11. महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक कहाँ हुआ? – गोगुन्दा में।
12. आदिवराह की उपाधि किस राजपूत शासक ने धारण की ? – मिहिर भोज प्रथम (यह गुर्जर प्रतिहार वंश का था)।
13. युद्ध भूमि में जाते समय अपने पति द्वारा निशानी माँगने पर किस रानी ने अपना शीश काटकर भेंट कर दिया? – हाड़ी रानी।
14. राजपूतों के किस वंश ने जयपुर पर शासन् किया? - कच्छवाहा।
15. ताम्र नगरी सभ्यता कहलाती थी? – आहड़ की सभ्यता।
16. कालीबंगा कहा स्थित है? – हनुमानगढ़।
17. मौर्य सभ्यता के प्रमाण किस स्थान पर मिलें हैं? – विराटनगर जयपुर।
18. पाक सिन्धु सभ्यता व सिन्धु सभ्यता के अवशेष कहाँ से प्राप्त हुए हैं? – कालीबंगा से
19. प्राचीन हड़प्पा स्तरों में एक ही खेत में साथ - साथ दो फसलों को उगाने का साक्ष्य प्राप्त हुआ हैं? – कालीबंगा से।
20. राजस्थान में बौद्ध संस्कृति के अवशेष कहाँ मिलते है? – विराटनगर जयपुर।
21. राजस्थान में बौद्ध धर्म केमठ कहाँ मिले हैं? –विराट नगर जयपुर।
22. राजस्थान का अभिलेखागार कहाँ स्थित है? - बीकानेर।
23. एनाल्स एंड एंटीक्विटिस ऑफ राजस्थान किसने लिखी थी? – कर्नल जेम्स टॉड ने।
24. जेम्स टॉड कहाँ के पॉलिटिकल एजेंट थे? – पश्चिमी राजस्थान स्टेट का।
25. 1567 – 1568 ई. में चित्तौड़ के मुगल घेरे के दौरान दो राजपूत सामंतों ने दुर्ग की रक्षा करते हुए अपने प्राण त्याग दिए? - जयमल, पत्ता (फत्ता) ।
26. हल्दी घाटी युद्ध में एक मात्र मुस्लिम सरदार जो महाराणा प्रताप के साथ था? – हाकिम खांसरी।
27. मेवाड़ प्रजामंडल की स्थापना किसने की -माणिक्य लाल वर्मा।
28. राजपूताना के किस राज घराने ने प्रजामंडल को संरक्षण दे रखा था- झालावाड़
29. राजस्थान के किस क्षेत्र ने कृषक आन्दोलन प्रारंभ करने में पहल की - मेवाड़।
30. बिजोलिया किसान आन्दोलन के प्रणेता कौन थे – साधू सीताराम दास।

**प्रदेश के जिलों के आधुनिक उपनाम**

| | |
|---|---|
| गंगानगर | फलों की टोकरी, राजस्थान का अन्नागार, बागानों की भूमि |
| बीकानेर | राती घाटी, ऊन का घर |
| जैसलमेर | स्वर्ण नगरी, राजस्थान का अंडमान, हवेलियों का शहर, झरोखों की नगरी, रेगिस्तान का गुलाब, येलो सिटी, गलियों का शहर, पंखों का नगर, म्यूजियम सिटी |
| जोधपुर | ब्लू सिटी / नीला शहर, सन सिटी / सूर्य नगरी, मरुस्थल का प्रवेश द्वार / सिंहद्वार, राजस्थान की विधि नगरी |
| बाड़मेर | राजस्थान की थार नगरी, राजस्थान का खजुराहो |
| भीलवाड़ा | राजस्थान का मेनचेस्टर, वस्त्र नगरी, जू ऑफ़ मिनरल, टेक्सटाइल सिटी |
| सिरोही | राजस्थान का शिमला |
| राजसमन्द | राजस्थान की थर्मोपोली |
| नागौर | औजारों की नगरी, राजस्थान का धातु नगर |
| सीकर | हाईटेक सिटी |
| नीमकाथाना | ताम्बा नगरी |
| जयपुर | पिंक सिटी / गुलाबी नगरी, पूर्व का पेरिस, हेरिटेज सिटी |
| अलवर | राजस्थान का स्कॉटलेंड, राजस्थान का सिंह द्वार, राजस्थान का पूर्वी कश्मीर |
| भरतपुर | राजस्थान का पूर्वी सिंह द्वार, राजस्थान का प्रवेश द्वार |
| धौलपुर | राजस्थान का पूर्वी प्रवेश द्वार, रेड डायमंड |
| करौली | डांग की रानी |
| अजमेर | राजस्थान का हृदय, अंडे की टोकरी, सांप्रदायिक सौहार्द का शहर, राजपूताना की कुंजी, अरावली का अरमान |
| बूंदी | बावडियों का शहर (सिटी ऑफ़ स्टेपवेल्स), वैभव नगरी |
| बारां | वराह नगरी, मिनी खजुराहो (भंडदेवरा) |
| झालावाड़ | राजस्थान का चेरापूंजी, विरासत का शहर, घंटियों का शहर (झालरापाटन) |
| चित्तौड़गढ़ | राजस्थान का गौरव |
| प्रतापगढ़ | राधा नगरी, कांठल |

| | |
|---|---|
| मध्यमिका | नगरी |
| खिज्राबाद | चित्तौड़गढ़ |
| भटनेर | हनुमानगढ़ |
| जयनगर | जयपुर |
| **उपनाम । प्राचीन नाम** | **स्थानी / क्षेत्र** |
| राजस्थान का वेल्लोर | भैंसरोड़गढ़ दुर्ग (चि.) |
| तीर्थों का भांजा | मचकुंड (धौलपुर) |
| तीर्थों का मामा / कोंकण तीर्थ | पुष्कर |
| थार का घड़ा | चाँदन नलकूप |
| महान भारतीय जल विभाजक रेखा | अरावली पर्वतमाला |
| राजस्थान की कामधेनु | चंबल नदी |
| वागड़ की गंगा | माही नदी |
| कांठल की गंगा | माही नदी |
| अर्जुन की गंगा | बाणगंगा नदी |
| आदिवासियों की गंगा | माही नदी |
| आदिवासियों का कुंभ | बेणेश्वर |
| खनिजों का अजायबघर | राजस्थान |
| **राजस्थान का विंडसर महल** | **राजमहल (फर्ग्युसन्)** |
| प्रहरी मीनार | एक थंबा महल (जोधपुर) |
| राजस्थान राज्य की आत्मा | घूमर नृत्य |
| राजस्थान का खेल नृत्य | नेजा नृत्य |
| लोक नाट्यों का मेरु नाट्य | गवरीलोक नाट्य /राई लोक नाट्य |
| समस्त किलों का सिरमौर | चित्तौड़गढ़ का दुर्ग |
| हिंदू देवी देवताओं का अजायबघर | विजयस्तंभ |
| मेवाड़ की आंख | कटारगढ़ |
| जल दुर्ग | गागरौन दुर्ग |
| मृत नदी | घग्घर नदी |
| मसूरदी नदी | काकनी / काकनेय नदी |
| ढेबर झील | जयसमंद झील |
| रामसर साइट | सांभर झील |
| मारवाड़ का अमृत सरोवर | जवाई बाँध |
| भारतीय बाघों का घर | रणथम्भौर |
| ग्रेट इंडियन बर्ड | गोडावण |
| रेगिस्तान का कल्पवृक्ष | खेजड़ी |
| चीतल की मातृभूमि | सीतामाता |
| आड़ा हूला | पंगोलिन |
| शमी वृक्ष | खेजड़ी |
| भारतीय मेरिनो | चोकला |

| | |
|---|---|
| घोड़ा जीरा | ईसबगोल |
| राजस्थान का नागपुर | झालावाड़ |
| उपकाशी | डीडवाना (डीडवाना-कुचामन) |
| राजस्थान की काशी | बूंदी |
| द्वितीय / छोटी काशी | जयपुर |
| राजस्थान की लोढ़ीकाशी | बाँसवाड़ा |
| मारवाड़ का लघु माउंट | पीपलूद (बालोतरा) |

- ***आर्बुद व चंद्रावती*** - सिरोही व आबू के आसपास का क्षेत्र
- ***वागड़ या वाग्वर*** - डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़
- ***खेराड़ व मालखेराड़*** - भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर तहसील व टोंक जिले का अधिकांश भाग
- ***मालव देश*** - प्रतापगढ़, झालावाड़
- ***लसाड़िया का पठार*** – उदयपुर में जयसमंद से आगे कटा - फटा पठारी भाग।
- ***देशहरो*** – उदयपुर में जरगा (उदयपुर) व रागा (सिरोही) पहाड़ियों के बीच का क्षेत्र सदा हरा भरा रहने के कारण देशहरो कहलाता है।
- ***मगरा*** - उदयपुर का उत्तरी पश्चिमी पर्वतीय भाग मगरा कहलाता है।
- ***नाकोड़ा पर्वत छप्पन की पहाड़ियाँ*** – बाड़मेर के सिवाना ग्रेनाइट पर्वतीय क्षेत्र में स्थित गोलाकार पहाड़ियों का समूह नाकोड़ा पर्वत या छप्पन की पहाड़ियाँ कहलाती हैं।
- ***छप्पन का मैदान*** – बाँसवाड़ा व प्रतापगढ़ के मध्य का भाग पन का मैदान कहलाता है। यह मैदान माही नदी बनाती है।
- ***कांठल*** - माही नदी के किनारे - किनारे प्रतापगढ़ का भू - भाग कांठल कहलाता है। इसलिए ***माही नदी को कांठल की गंगा कहते हैं।***
- ***भाखर या भाकर*** – पूरी सिरोही क्षेत्र में अरावली की तीव्र ढाल वाली ऊबड़ - खाबड़ पहाड़ियों का क्षेत्र भाखर या भाकर कहलाता है।
- ***खेराड़***– भीलवाड़ा व टोंक का वह क्षेत्र जो बनास बेसिन में स्थित है।
- ***मालानी*** – जालौर और बालोतरा के मध्य का भाग।
- ***देवल या मेवलिया*** – डूंगरपुर व बाँसवाड़ा के मध्य का भाग।
- ***लिटलरण*** – राजस्थान में कच्छ की खाड़ी के क्षेत्र को लिटलरण कहते हैं।
- ***मालखेराड़*** – ऊपरमाल व खेराड़ क्षेत्र संयुक्त रुप में माल खेराड़ कहलाता है।
- ***पुष्प क्षेत्र*** – डूंगरपुर व बाँसवाड़ा संयुक्त रुप से पुष्प क्षेत्र कहलाता है।
- ***सुजला क्षेत्र*** - सीकर, चूरू व नागौर संयुक्त रुप से सुजला क्षेत्र कहलाता है।

है जिसमें मरुस्थल नहीं है अरावली के पश्चिम में लगभग 60% भू - भाग पर राज्य की 40% जनसंख्या निवास करती है।

8. **अरावली का सर्वाधिक विस्तार दक्षिणी राजस्थान / उदयपुर जिले में है** तथा **सबसे कम विस्तार मध्य राजस्थान / ब्यावर में** है और **अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटी "गुरु शिखर"** है और जब कि **सबसे नीचे चोटी "अजमेर जिले" में पुष्कर घाटी है।**

9. यह प्रदेश राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 9% भाग है तथा इस पर राज्य की लगभग 10% जनसँख्या निवास करती है।

- **गुरुशिखर जिसे गुरुमाथा** भी कहा जाता है। हिमालय पर्वत के माउंट एवरेस्ट तथा पश्चिमी घाट के नीलगिरी पर्वत के मध्य की सबसे ऊंची चोटी है ।
- **कर्नल जेम्स टॉड** ने यहाँ पर संतों को तपस्या करते हुए देखा था इससे प्रभावित होकर कर्नल जेम्स टॉड ने **इसे संतो का शिखर / हिन्दू ओलम्पस का नाम दिया है** इसकी **औसत ऊँचाई 1722 मीटर** है।
- इसकी चोटी पर दत्तात्रेय ऋषि का मंदिर बना हुआ है।
- यदि इस मंदिर की ऊँचाई को शामिल करें तो गुरु शिखर की कुल ऊँचाई 1727 मीटर होती है।
- गुरुशिखर के नीचे **राज्य का एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल "माउंट आबू" स्थित है।**

10. अरावली पर्वतमाला राज्य की नदियों को दो भागों में विभाजित करती है पश्चिमी भाग और पूर्वी भाग । **अरावली के पश्चिम में बहने** वाली नदियाँ अपना जल **अरब सागर में** तथा अरावली के **पूर्व में बहने वाली नदियाँ** अपना जल **बंगाल की खाड़ी में लेकर** जाते हैं।

11. **अरावली पर्वतमाला पश्चिमी मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकती है** जैसा कि आपको पता है मरुस्थल अभी भी लगातार फैल रहा है।

12. अरावली पर्वतमाला **बंगाल की खाड़ी से आने वाले मानसून को रोककर वर्षा करने में सहायक** भी होती है लेकिन अरावली पर्वतमाला से होने वाला **"सबसे बड़ा नुकसान"** यह है कि अरावली पर्वतमाला की स्थिति **अरब सागर के मानसून के समांतर होने के कारण यह बिना वर्षा किए ही गुजर जाता है** इसी वजह से राजस्थान में बहुत कम वर्षा होती है।

13. अरावली पर्वतमाला में पर्वतीय चट्टानों के टूटने से पर्वतीय मिट्टी का निर्माण होता है एवं जिस **पर्वतीय मिट्टी में चूने की अधिक मात्रा होती है उसे लेटेराइट मिट्टी** कहा जाता है इस प्रकार इस अरावली क्षेत्र में पाई जाने वाली मिट्टी लेटेराइट मिट्टी है।

14. अरावली पर्वतमाला का विस्तार **"दक्षिण पश्चिम से उत्तर पूर्व" की ओर** है। अरावली पर्वतमाला की चौड़ाई और ऊँचाई लगातार "दक्षिण - पश्चिम से उत्तर - पूर्व" की ओर कम होती जाती है जबकि इसकी चौड़ाई और ऊँचाई "उत्तर - पूर्व से दक्षिण - पश्चिम " की ओर बढ़ती जाती है।

15. अरावली पर्वतमाला भारत की एक महान **जल विभाजक** के रूप में भी कार्य करती है, इसके दोनों ओर नदियाँ बहती हैं।

16. अरावली पर्वतमाला राज्य के **कुल भू-भाग का 9% भाग** है जिस पर **संपूर्ण राज्य की 10% जनसंख्या निवास करती है।**

17. अरावली पर्वतमाला में मुख्य रूप से ढ़लान पहाड़ियों पर मक्का की खेती की जाती है। इस क्षेत्र में **उष्ण कटिबंधीय वन** पाए जाते है। इस क्षेत्र में **कंक्रीट लाल मिट्टी** पाई जाती है।

**प्रश्न – निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (RAS - 2016 )**

A. अरावली मरुस्थल के पूर्ववर्ती विस्तार को रोकता है।
B. राजस्थान की सभी नदियों का उद्गम अरावली से है।
C. राजस्थान में वर्षा का वितरण प्रारूप अरावली से प्रभावित नहीं होता है।
D. अरावली प्रदेश धात्विक खनिजों में समृद्ध है।

**(A) A, B और C सही हैं।**
**(B) B, C और D सही हैं।**
**(C) C और D सही हैं।**
**(D) A और D सही हैं।**

**उत्तर - D**

**नोट –** अरावली पर्वतमाला को अध्ययन की दृष्टि से मुख्य रूप से तीन भागों में बाँटा गया है -

1. उत्तरी – पूर्वी अरावली 2. मध्यवर्ती अरावली 3. दक्षिणी अरावली

1. **उत्तरी – पूर्वी अरावली –** इस क्षेत्र का विस्तार **जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, खैरथल तिजारा, झुंझुनू, सीकर, नीमकाथाना, डीडवाना, कुचामन, दौसा, अलवर,** जिले में है। इस क्षेत्र में अरावली की श्रेणियां अनवरत ना होकर दूर - दूर हो जाती हैं । इस क्षेत्र में पहाड़ियों की सामान्य ऊँचाई 450 मीटर से 700 मीटर तक है इस प्रदेश की **प्रमुख चोटियाँ रघुनाथगढ़ (सीकर) 1055 मीटर,** खोह (जयपुर ग्रामीण) 920 मीटर, भेराच (अलवर) 792 मीटर, बरवाड़ा (जयपुर ग्रामीण) 786 मीटर है।

2. **मध्यवर्ती अरावली –** इस भाग में अरावली का विस्तार कम पाया जाता है जो कि ब्यावर के समीप है इसकी **सबसे ऊंची चोटी नाग पहाड़ियों में स्थित तारागढ़ (870 मीटर अजमेर) है** इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 550 मीटर है। अरावली का यह भाग कटा - फटा होने के कारण यहाँ **अत्यधिक मात्रा में दर्रे** (स्थानीय भाषा में **नाल कटा** कहा

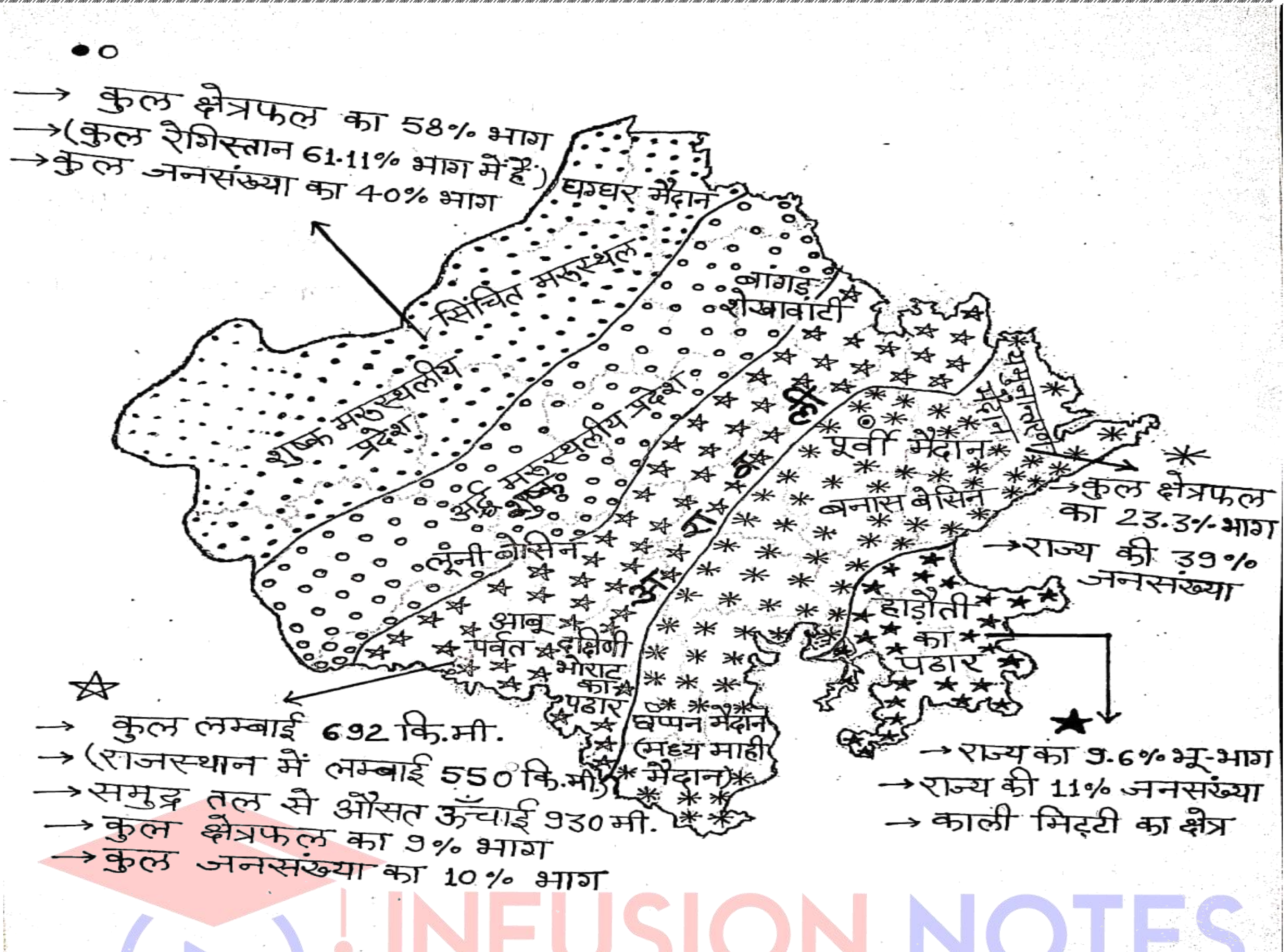


INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

***चंबल बेसिन -***

*चंबल नदी का प्रवाह क्षेत्र चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर है। इस प्रवाहित क्षेत्र को चंबल बेसिन के नाम से जाना जाता है । इस क्षेत्र में चंबल के साथ इसकी सहायक नदियाँ भी बहती है*

***नोट :- भारत में सर्वाधिक उत्खात स्थलाकृति चंबल नदी के आस - पास मिलती है ।*** *उत्खात स्थलाकृति से आशय ऐसी भूमि से है* ***जो कृषि योग्य नहीं है ।***

*इसी क्षेत्र में सर्वाधिक बीहड़ पाए जाते है*

***बीहड़ -*** *नदियों के प्रभाव से मिट्टी का कटाव होने से बनी मिट्टी की कटी - फटी गहरी घाटियों को भी बीहड़ कहा जाता है* ***बीहड़ का सर्वाधिक विस्तार सवाई माधोपुर में है।***

*बीहड़ को डाकुओं की शरणस्थली भी कहा जाता है क्योंकि अधिकांश* ***डाकू बीहड़*** *क्षेत्र में निवास करते थे ।*

*5 मीटर से 30 मीटर गहरे गड्ढे वाली भूमि को स्थानीय भाषा में खादर कहा जाता है तथा* ***कृषि अयोग्य भूमि को स्थानीय भाषा में "डांग" कहा जाता है***

*डांग क्षेत्र का* ***सर्वाधिक विस्तार राज्य के करौली*** *जिले में है ।*

***सवाई माधोपुर में चारागाह क्षेत्र को "बिड़े"*** *कहा जाता है।*

***बनास नदी बेसिन -***

*यह बेसिन बनास एवं इसकी सहायक नदियों से निर्मित है जो कि मुख्य रूप से अजमेर, सवाई माधोपुर, टोंक, केकड़ी, शाहपुरा, उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ आदि में विस्तृत है।*

*इस क्षेत्र के उत्तरी भाग को मालपुरा का मैदान एवं दक्षिणी भाग को मेवाड़ का मैदान कहा जाता है ।*

***इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ निम्न है-***

*बेड़च नदी, कोठारी नदी, खारी नदी, मोरेल नदी, कालीसिंध नदी, मेनाल नदी, मानसी नदी, ढील नदी, डाई नदी, सोहदरा नदी आदि।*

*इस क्षेत्र में* ***सबसे बड़ा बाँध टोंक जिले के देवली में स्थित "बीसलपुर बाँध " है*** *जो कि राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल परियोजना है* ***बीसलपुर बाँध बनास नदी पर बना हुआ है।*** *इस बाँध से जयपुर, अजमेर, ब्यावर, टोंक, केकड़ी, शाहपुरा व भीलवाड़ा जिलों में पेयजल प्राप्त किया जाता है।*

***माही नदी बेसिन -***

*यह प्रदेश माही व उसकी सहायक नदियों से निर्मित है तथा डूंगरपुर, बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़ में स्थित है छप्पन का मैदान इसी क्षेत्र में है ( प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा, कांठल, भी इसी क्षेत्र*

## अध्याय – II

## जनसंख्या-वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात एवं प्रमुख जनजातियाँ

### 2021 की अनुमानित जनसंख्या

| | |
|---|---|
| 2020 में राजस्थान की अनुमानित जनसंख्या | 79,502,477 |
| 2021 में पुरुषों की अनुमानित जनसंख्या | 41,235,725 |
| 2021 में महिलाओं की अनुमानित जनसंख्या | 38,266,753 |

### 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या

| | |
|---|---|
| **2011 में राजस्थान की कुल आबादी** | **68,548,437** |
| पुरुषों की जनसंख्या | 35,554,169 |
| महिलाओं की जनसंख्या | 32,994,268 |
| **भारत की जनसंख्या (प्र.)** | **5.66%** |
| लिंग अनुपात | 928 |
| बच्चों का लिंग अनुपात | 888 |
| घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी.) | 200 |
| घनत्व (मील प्रति वर्ग) | 519 |
| क्षेत्र (प्रति वर्ग कि.मी.) | 342,239 |
| क्षेत्र (मील प्रति वर्ग) | 132,139 |
| बच्चों की जनसंख्या 0-6 वर्ष | 10,649,504 |
| लड़कों की जनसंख्या 0-6 वर्ष | 5,639,176 |
| लड़कियों की जनसंख्या 0-6 वर्ष | 5,010,328 |
| **साक्षरता** | **66.11%** |
| साक्षरता पुरुष (प्र.) | 79.19% |
| साक्षरता महिलाएं (प्र.) | 52.13% |
| कुल साक्षर | 38,275,282 |
| साक्षर पुरुष | 23,688,412 |
| साक्षर महिलाएं | 14,586,870 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 15. | श्रीगंगानगर | 1,969,168 | 887 | 69.64% | 2,283,841 |
| 16. | हनुमानगढ़ | 1,774,692 | 906 | 67.13% | 2,058,288 |
| 17. | जयपुर | 6,626,178 | 910 | 75.51% | 7,685,041 |
| 18. | जैसलमेर | 669,919 | 852 | 57.22% | 776,972 |
| 19. | जालौर | 1,828,730 | 952 | 54.86% | 2,120,961 |
| 20. | झालावाड़ | 1,411,129 | 946 | 61.50% | 1,636,627 |
| 21. | झुंझुनूं | 2,137,045 | 950 | 74.13% | 2,478,545 |
| 22. | जोधपुर | 3,687,165 | 916 | 65.94% | 4,276,374 |
| 23. | करौली | 1,458,248 | 861 | 66.22% | 1,691,276 |
| 24. | कोटा | 1,951,014 | 911 | 76.56% | 2,262,786 |
| 25. | नागौर | 3,307,743 | 950 | 62.80% | 3,836,320 |
| 26. | पाली | 2,037,573 | 987 | 62.39% | 2,363,177 |
| 27. | प्रतापगढ़ | 867,848 | 983 | 55.97% | 1,006,530 |
| 28. | राजसमंद | 1,156,597 | 990 | 63.14% | 1,341,421 |
| 29. | सवाई माधोपुर | 1,335,551 | 897 | 65.39% | 1,548,972 |
| 30. | सीकर | 2,677,333 | 947 | 71.91% | 3,105,171 |
| 31. | सिरोही | 1,036,346 | 940 | 55.25% | 1,201,954 |
| 32. | टोंक | 1,421,326 | 952 | 61.58% | 1,648,454 |
| 33. | उदयपुर | 3,068,420 | 958 | 61.82% | 3,558,754 |

**सबसे अधिक जनसंख्या वाले जिले**

| जिला | जनसंख्या 2011 | जनसंख्या 2021 (अनुमानित) |
|---|---|---|
| **जयपुर** | 6,626,178 | 7,685,041 |
| **जोधपुर** | 3,687,165 | 4,276,374 |
| **अलवर** | 3,674,179 | 4,261,313 |
| **नागौर** | 3,307,743 | 3,836,320 |

**प्रश्न – 1. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के सर्वाधिक कुल जनसंख्या वाले जिलों को अवरोही क्रम में जमाएँ – (RAS – 2016)**

(A) जयपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर
(B) जयपुर, जोधपुर, अलवर, नागौर
(C) जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर
(D) जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर

उत्तर - B

**सबसे कम जनसंख्या वाले जिले**

| जिला | जनसंख्या 2011 | जनसंख्या 2021 (अनुमानित) |
|---|---|---|
| **जैसलमेर** | 669,919 | 776,972 |
| **प्रतापगढ़** | 867,848 | 1,006,530 |
| **सिरोही** | 1,036,346 | 1,201,954 |

| जिला | जनसंख्या 2011 | जनसंख्या 2021 (अनुमानित) |
|---|---|---|
| **बूंदी** | 1,110,906 | 1,288,429 |

**सबसे अधिक साक्षरता वाले जिले**

| जिला | प्रतिशत |
|---|---|
| कोटा | 76.56% |
| जयपुर | 75.51% |
| झुंझुनूं | 74.13% |
| सीकर | 71.91% |

**सबसे कम साक्षरता वाले जिले**

| जिला | प्रतिशत |
|---|---|
| जालौर | 54.86% |
| सिरोही | 55.25% |
| प्रतापगढ़ | 55.97% |
| बाँसवाड़ा | 56.33% |

| | |
|---|---|
| सर्वाधिक ग्रामीण पुरुष साक्षरता वाला जिला | झुंझुनूं (86.8%) |
| न्यूनतम ग्रामीण पुरुष साक्षरता वाला जिला | सिरोही (64.6%) |
| सर्वाधिक शहरी पुरुष साक्षरता वाला जिला | उदयपुर ( 93.4% ) |
| न्यूनतम शहरी पुरुष साक्षरता वाला जिला | धौलपुर (81.3%) |
| सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला | कोटा (65.9%) |
| **न्यूनतम महिला साक्षरता वाला जिला** | **जालौर (38.5%)** |

| **सर्वाधिक महिला साक्षरता वाले 5 जिले** | |
|---|---|
| **कोटा** | **65.9** |
| जयपुर | 64.0 |
| झुंझुनूं | 61.0 |
| श्रीगंगानगर | 59.7 |
| सीकर | 58.2 |

| **न्यूनतम महिला साक्षरता वाले 5 जिले** | |
|---|---|
| **1. जालौर** | **38.5** |
| 2. सिरोही | 39.7 |
| 3. जैसलमेर | 39.7 |
| 4. बाड़मेर | 40.6 |
| 5. प्रतापगढ़ | 42.4 |

**अनुसूचित जातियों की कुल जनसंख्या**
**12,221,593 ( कुल जनसंख्या का 17.8%)**
ग्रामीण 9,536,963 (18.5%)
शहरी 2,684,630 (15.7%)

**अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या**
**9,238,534 ( कुल जनसंख्या का 13.8%)**
ग्रामीण 8,693,123 (16.9%)
शहरी 545,411 (3.2%)

| | |
|---|---|
| **वह जिला जहाँ अनुसूचित जाति की जनसंख्या सर्वाधिक निवास करती है।** | **जयपुर** (10,03,302) |
| **यह जिला जहाँ अनुसूचित जाति की जनसंख्या सबसे कम निवास करती है।** | **डूंगरपुर** (52,267) |
| वह जिला जहाँ अनुसूचित जाति की जनसंख्या में दशकीय (2001-2011) वृद्धि सर्वाधिक रही। | बाड़मेर( 41.2%) |
| वह जिला जहाँ अनुसूचित जाति की जनसंख्या में दशकीय (2001-2011) वृद्धि न्यूनतम रही। | डूंगरपुर (13.7%) |
| **यह जिला जहाँ अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या सर्वाधिक निवास करती है।** | **उदयपुर** (15,25,289) |
| **वह जिला जहाँ अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या सबसे कम निवास करती है।** | **बीकानेर (7,779)** |

**प्रश्न – 5. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के किन जिलों में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत उनकी कुल जनसंख्या में न्यूनतम है? RAS - 2018**

A. सीकर और धौलपुर
B. झुंझुनूं और चूरु
C. बीकानेर और नागौर
D. श्री गंगानगर और हनुमानगढ़

उत्तर – C

**प्रश्न – 7. वर्ष 2011 में निम्नलिखित में से कौन से दो जिले उनकी कुल जनसंख्या में सबसे कम अनुसूचित जनजाति व प्रतिशत रखते हैं? RAS - 2016**

A. चुरु और सीकर
B. श्री गंगानगर और हनुमानगढ़
C. बीकानेर और नागौर
D. भरतपुर और धौलपुर

उत्तर – C

| | |
|---|---|
| वह जिला जहाँ अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या में दशकीय (2001-2011) वृद्धि सर्वाधिक रही | नागौर (60.4%) |
| वह जिला जहाँ अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या में दशकीय (2001-2011) वृद्धि सबसे कम रही | श्रीगंगानगर (-8.6%) |

**प्रश्न – 2. राजस्थान में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का द्वितीय स्थान पर सर्वाधिक प्रतिशत है? (2011) RAS - 2021**

A. बाँसवाड़ा जिले में
B. प्रतापगढ़ जिले में
C. डूंगरपुर जिले में
D. दौसा जिले में

उत्तर - C

- पिघली हुई या गैसीय अवस्था में खनिज दरारों से होते हुए भूमि की ऊपरी सतह तक पहुँच जाते हैं।
  **उदाहरण:** टिन, जस्ता, लैड, आदि।
  **अवसादी चट्टानों में:** - इस प्रकार की चट्टानों में खनिज परतों में पाये जाते है।

1. मुख्यतः अधात्विक ऊर्जा खनिज पाए जाते हैं।
   उदाहरण: कोयला, लौह अयस्क, जिप्सम, पोटाश लवण और सोडियम लवण, आदि।
   **धरातलीय चट्टानों के अपघटन के द्वारा:** - जब अपरदन द्वारा शैलों के घुलनशील अवयव निकल जाते हैं तो बचे हुए अपशिष्ट में खनिज रह जाता है। बॉक्साइट का निर्माण इसी तरह से होता है।
   **जलोढ़ जमाव के रूप में :** - इस प्रकार से बनने वाले खनिज नदी के बहाव द्वारा लाए जाते हैं और जमा होते हैं। इस प्रकार के खनिज रेतीली घाटी की तली और पहाड़ियों के आधार में पाए जाते हैं। ऐसे में वो खनिज मिलते हैं जिनका अपरदन जल द्वारा नहीं होता है। उदाहरण: सोना, चाँदी, टिन, प्लेटिनम, आदि।
   **महासागर के जल में:** - समुद्र में पाए जाने वाले अधिकतर खनिज इतने विरल होते हैं कि इनका कोई आर्थिक महत्व नहीं होता है। लेकिन समुद्र के जल से साधारण नमक, मैग्नीशियम और ब्रोमीन निकाला जाता है।

**राजस्थान में खनिज संसाधन –**

प्रिय छात्रों राजस्थान में कई प्रकार के खनिज पाए जाते हैं।

- जैसा कि आपको पता है राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है यहाँ पाई जाने वाली अधिक विविधताओं के कारण यह राज्य खनिज संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है। और इसी वजह से इसे "खनिजों का अजायबघर" भी कहा जाता है।
- दोस्तों **खनिज भंडार की दृष्टि से राजस्थान का देश में झारखंड के बाद दूसरा स्थान आता है जबकि खनिज उत्पादन मूल्य की दृष्टि से झारखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात, असम के बाद राजस्थान का पांचवा स्थान है।** राजस्थान में देश का कुल खनन क्षेत्र का 5.7% क्षेत्रफल आता है। देश में **सर्वाधिक खाने राजस्थान में स्थित है।** देश के कुल खनिज उत्पादन में राजस्थान का योगदान 22% है।
- राजस्थान में खनिज मुख्य रूप से अरावली में पाए जाते हैं। अतः इसे खनिजों का भण्डारगृह कहा जाता है।

**राजस्थान की भूमिका :-**

| भंडारण में | उत्पादन में | विविधता में | आय में |
|---|---|---|---|
| द्वितीय स्थान | द्वितीय स्थान | प्रथम स्थान | पाँचवा स्थान |
| | | (57 प्रकार के खनिज) 81 प्रकार के | |

**राजस्थान में 81 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं** आइए जानते हैं वह कौन - कौन से खनिज यहाँ पाए जाते हैं।

**1.** ऐसे खनिज जिन पर राजस्थान का एकाधिकार है - पन्ना, जास्पर, तामड़ा, वोलेस्टोनाइट

**प्रश्न – 2. निम्नलिखित में से कौनसे खनिजों का राजस्थान लगभग अकेला उत्पादक राज्य है? (RAS – 2018)**

**A. सीसा एवं जस्ता अयस्क**
**B. ताम्र अयस्क**
**C. वोलेस्टोनाइट**
**D. सेलेनाइट**

a. A, एवं C  b. A, B एवं D
c. A, B एवं C  d. A, B, C एवं D

**उत्तर – d**

**2.** ऐसे खनिज जिनके उत्पादन में राजस्थान का प्रथम स्थान है -
जस्ता - 97%, फ्लोराइड 96%, **एस्बेस्टस** 96 %, रॉकफोस्फेट 95%, जिप्सम 94 % चूना पत्थर 98%, खड़िया मिट्टी 92%, घीया पत्थर 90%, चांदी 80%, मकराना (मार्बल) 75%, सीसा 75%, फेल्सपार 75%, **टंगस्टन** 75%, कैल्साइट 70%, फायर क्ले 65%, ईमारती पत्थर 60%, बेंटोनाइट 60%, कैडमियम 60%

**3.** वे खनिज जिनकी राजस्थान में कमी है - लोहा, कोयला, मैंगनीज, खनिज तेल, ग्रेफाइट

**राजस्थान में पाए जाने वाले खनिजों को तीन प्रकारों में बांटा जा सकता है -**

1. **धात्विक खनिज** - लौह अयस्क, मैंगनीज, टंगस्टन, सीसा, जस्ता, तांबा, चांदी इत्यादि।
2. **अधात्विक खनिज** - अभ्रक, एस्बेस्टस, फेल्सपार, बालुका मिट्टी, चूना पत्थर, पन्ना, तामड़ा इत्यादि।
3. **ईंधन** - कोयला, पेट्रोलियम, खनिज इत्यादि।

दोस्तों खनिजों की दृष्टि से राजस्थान में अरावली प्रदेश और पठारी प्रदेश काफी समृद्ध है।

- **धात्विक खनिज –**

**1. लोहा** –राजस्थान में लोहा मुख्य रूप से अरावली के उत्तर – पूर्व एवं दक्षिण- पूर्व में पाया जाता है।
लौहा अयस्क चार प्रकार का होता है-

i. मैग्नेटाइट - 74 %
ii. हेमेटाइट - 65 %
iii. लिमोनाइट - 50 %
iv. सिडेराइट - 40 %

राजस्थान में मुख्य रूप से लोहे का उत्पादन निम्न स्थानों पर होता है एवं राजस्थान में हेमेटाइट व लिमोनाइट लौह अयस्क पाया जाता है।

**प्रमुख खान-**

- मोरिजा- बानोल- सामोद, जयपुर ग्रामीण

- नीमला- राइसेला - लालसोट, दौसा
- सिंघाना- डाबला – झुंझुनूं
- नीम का थाना
- थूर हुण्डेर - उदयपुर
- नाथरा की पाल – सलूम्बर
- **राजस्थान में सबसे अधिक लौहे का उत्पादन जयपुर ग्रामीण जिले से होता है** । यह हेमेटाइट प्रकार का है।

**प्रश्न – 9. लौह अयस्क का खनन क्षेत्र नहीं है – (RAS – 2015)**

(A)मोरीजा (b) डाबला

(c) नीमला (d) तलवाड़ा

उत्तर – D

**2. सीसा-जस्ता :-**

- सीसे जस्ते के अयस्क को गैलेना कहा जाता है । **यह अयस्क मिश्रित रूप में मिलने के कारण इसे जुड़वा खनिज भी कहते हैं।**
- राजस्थान में जिन स्थानों पर सीसे – जस्ते का उत्खनन होता है उन्हीं स्थानों से चाँदी व तांबा का उत्खनन होता है।

**प्रमुख खान-**

- **जावर खान- उदयपुर**

**यह देश की सबसे बड़ी जस्ते की खान है।**

- राजपुरा–दरीबा- राजसमंद
- पुर- दरीबा- भीलवाड़ा
- रामपुरा- आगूचा- भीलवाड़ा
- गुढ़ा किशोरी - अलवर
- चौथ का बरवाड़ा - सवाई माधोपुर
- मोचिया – मगरा - उदयपुर
- रेल- मगरा- राजसमंद

राजस्थान में जस्ते के उत्खनन के लिए दो संयंत्र स्थापित किये गये है।

i. हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर :- इसकी स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा की गई जो मुख्य रूप से देबारी नामक स्थान पर उत्खनन का कार्य करता है।

ii. चन्देरिया सुपर जिंक स्मेल्टर, चितौड़गढ :- इसकी स्थापना ब्रिटेन के सहयोग से की गई जो मुख्य रूप से जस्ते का उत्खनन कार्य करता है।

- राजस्थान में सीसा गलाने का संयंत्र न होने के कारण सीसे के अयस्क को टुंडू बिहार भेजा जाता है।
- राजसमंद के दरीबा, नामक स्थान पर सीसा गलाने का संयंत्र स्थापित किया गया है लेकिन इसकी क्षमता कम होने के कारण सीसे के बचे हुए अयस्क को बिहार भेजा जाता है।

**3. चाँदी :-** देश में सबसे अधिक चाँदी का उत्पादन राजस्थान में होता है।

**प्रमुख खान**

- राजपुरा – दरीबा - राजसमंद
- रामपुरा - आगूचा- भीलवाड़ा

**4. सोना :- राजस्थान में सबसे अधिक सोने के भण्डार बाँसवाड़ा जिले में पाया जाता है।**

→इसके अलावा दौसा जिले में भी सोने के क्षेत्रों का पता लगाया गया है।

**बाँसवाड़ा के प्रमुख खान**

- आनन्दपुर - भूकिया क्षेत्र
- जगतपुरा

**अन्य स्थान**

- धानोता – झुंझुनू
- धानी बासडी – दौसा

**नोट** - आनन्दपुर भूकिया बाँसवाड़ा में हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के द्वारा सोने की खोज का कार्य किया जा रहा है।

**5. तांबा :-** तांबा राजस्थान में सबसे अधिक **खेतड़ी (नीमकाथाना)** नामक स्थान से निकाला जाता है।

- तांबे के उत्पादन में राजस्थान का उड़ीसा के बाद दूसरा स्थान है एवं भंडार की दृष्टि से उड़ीसा, आंध्रप्रदेश के बाद तीसरा स्थान है।
- राजस्थान में तांबा परिशोधन शाला खेतड़ी कस्बे में स्थापित की गयी है।
- राजस्थान में तांबे के उत्खनन का कार्य हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के द्वारा किया जा है।
- हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड की राजस्थान में 3 परियोजनाएँ चल रही है।

i. HCL- Hindustan Copper Ltd.- खेतड़ी (नीमकाथाना)

ii. चांदमारी- कॉपर लि.- नीमकाथाना

iii. नीम का थाना कॉपर लि. – नीमकाथाना

**तांबे के प्रमुख उत्खनन क्षेत्र**

खेतड़ी (नीमकाथाना) व कुछ क्षेत्र झुंझुनू

{तांबा तीनों चट्टानों में पाया जाता है आग्नेय, अवसादी तथा कायांतरित}

- खो - दरीबा - अलवर
- नीम का थाना - नीमकाथाना
- पुर बनेड़ा – दरीबा - भीलवाड़ा
- भगोनी - अलवर
- बन्नों वाली की ढाणी - सीकर
- राजपुर- दरीबा - राजसमंद
- बीदासर - चुरू

**नोट-** राजस्थान में सबसे अधिक तांबे के क्षेत्रों का नीम का थाना जिले में पता लगाया गया है-

**6. मैंगनीज** :-राजस्थान में सबसे अधिक मैंगनीज का उत्पादन बाँसवाड़ा जिले में होता है ।

**प्रमुख उत्पादक क्षेत्र** – सर्वाधिक तलवाड़ा, लीलवानी, नरडिया, सिवोनिया , कालाखूंट, तिम्यामोरी, कांसला

## राजस्थान में अधात्विक खनिज

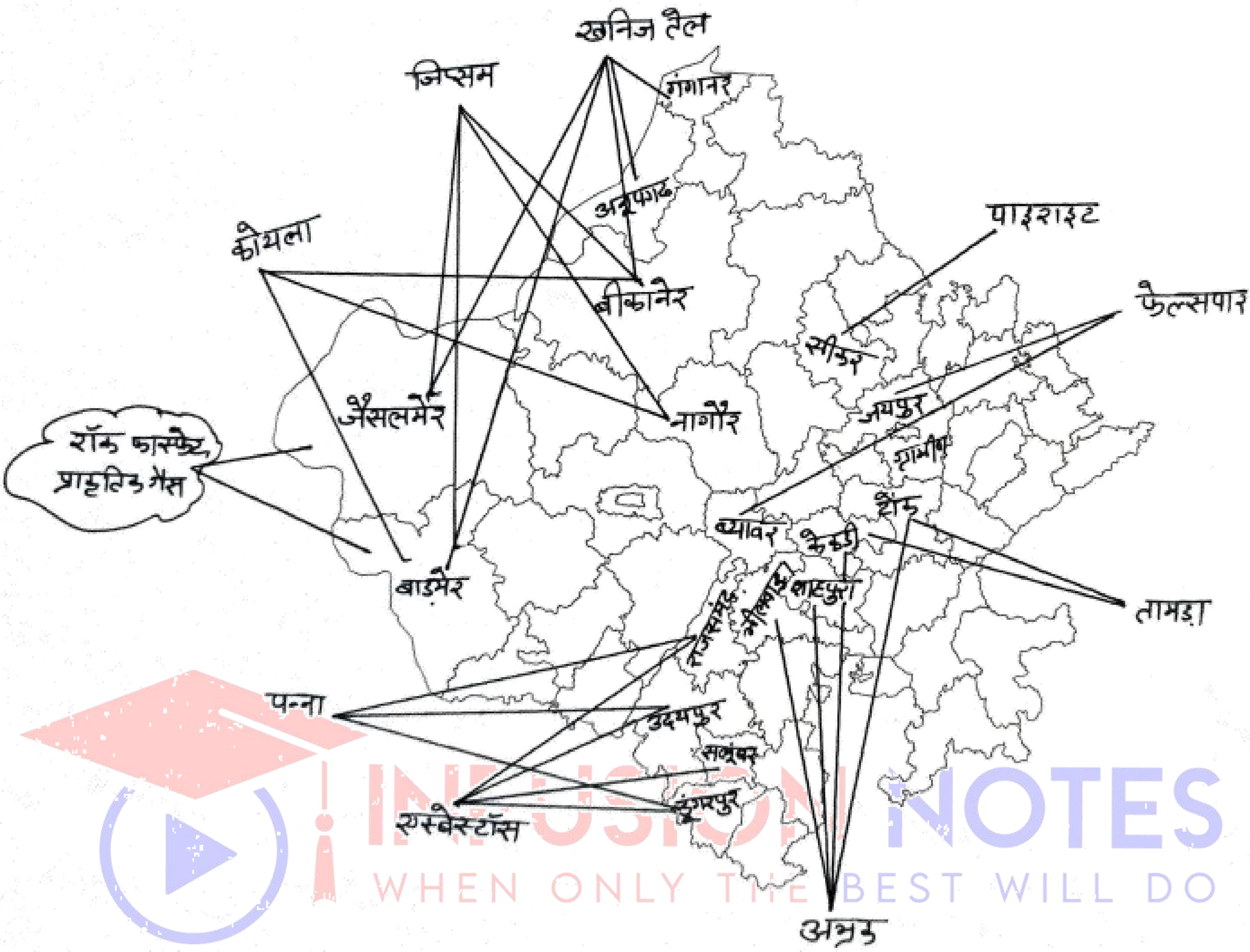


**प्रश्न - 8 गोठ - मांगलोद क्षेत्र का संबंध किस खनिज से है - (RAS - 2015)**

(a) रॉक - फॉस्फेट (b) टंगस्टन

(c) मैंगनीज (d) जिप्सम

**उत्तर - D**

**चूना-पत्थर**

यह मुख्य रूप से अवसादी चट्टानों में पाया जाता है।

चूना पत्थर की खानों में अगर 45 % से अधिक मैंग्नीशियम हो तो उसे 'डोलोमाइट' कहा जाता है।

स्टील ग्रेड चूना पत्थर - जैसलमेर के सानू क्षेत्र में।

सीमेंट ग्रेड - चितौड़गढ़

**कैमिकल ग्रेड चूना पत्थर - जोधपुर व नागौर**

नोट:- गोटन (नागौर) में भी चूना पत्थर पाया जाता है।

**2. अभ्रक**

- अभ्रक आग्नेय एवं कायांतरित चट्टानों में काले रंग के टुकड़ों के रूप में पाया जाता है।
- इसका उपयोग विद्युत उद्योगों में, सजावटी सामानों में एवं ताप भट्टियों में किया जाता है।
- यह ताप का कुचालक होता है।
- माइकेनाइट उद्योग - अभ्रक के चूरे से ईंट तथा चादरें बनाने वाले उद्योग को माइकेनाइट उद्योग कहा जाता है।
- इस उद्योग के सर्वाधिक कारखानें भीलवाड़ा जिले में पाये जाते है।
- अभ्रक को खनिजों का बीमार बच्चा कहा जाता है, क्योंकि देश की 20 बड़ी अभ्रक की खानों से कुल उत्पादन का मात्र 50% प्राप्त होता है

**रूबी अभ्रक**

सफेद अभ्रक को रूबी अभ्रक कहा जाता है।

**बायोटाइट अभ्रक**

गुलाबी अभ्रक को बायोटाइट अभ्रक कहा जाता है।

इसका उपयोग दवाईयाँ, सजावटी सामान, वायुयान एवं ताप भट्टियों में किया जाता है।

**प्रमुख क्षेत्र**

1. भीलवाड़ा - पोटला, फुलिया, नट की खेड़ी।

2. शाहपुरा

**अभ्रक का सर्वाधिक उत्पादन भीलवाड़ा में होता है।**

3. अजमेर- जालिया, भिनाय

**8. निम्न में से कौनसा असत्य कथन है ?**

A. राज्यपाल विधानमंडल का अभिन्न अंग होता है।

B. विधानपरिषद् का सृजन व समापन संसद करती है

C. किसी राज्य की विधानसभा में न्यूनतम 40 तथा अधिकतम 550 सीटें हो सकती है ।

D. राजस्थान के सर्वाधिक कार्यकाल वाले विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास मिर्धा

**उत्तर (D)**

**9. किस विधानसभा चुनाव में राजस्थान विधानसभा की सदस्य संख्या 184 से बढ़ाकर 200 की गई ?**

A. चौथी  B. छठी

C. पाँचवीं  D. साँतवी

**उत्तर (B)**

**10. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?**

A. राजस्थान से लोकसभा व राज्यसभा में क्रमशः 10 व 25 सदस्य हैं ।

B. राजस्थान में विधानपरिषद् के कुल सदस्यों की संख्या 200 है ।

C. लोकसभा में राजस्थान से अनुसूचित जाति की 4 सीटें एवं अनुसूचित जनजाति की 3 सीटें आरक्षित है ।

D. उपर्युक्त सभी

**उत्तर (C)**

**11. किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबंध के तहत् राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी , किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुरः स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया ,अब-**

A. जहाँ राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अवधिमान्य नहीं होगा ।

B. राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अतिक्रमण के आधार पर अनुमति देने से इंकार कर सकता है ।

C. राज्यपाल ऐसे विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के लिये भेज देगा ।

D. यदि राज्यपाल या राष्ट्रपति अनुमति दे तो न्यायालय संवैधानिक उपबंधों के आधार पर उसे असंवैधानिक घोषित कर देगा ।

**उत्तर (A)**

## अध्याय – 5

## उच्च न्यायालय

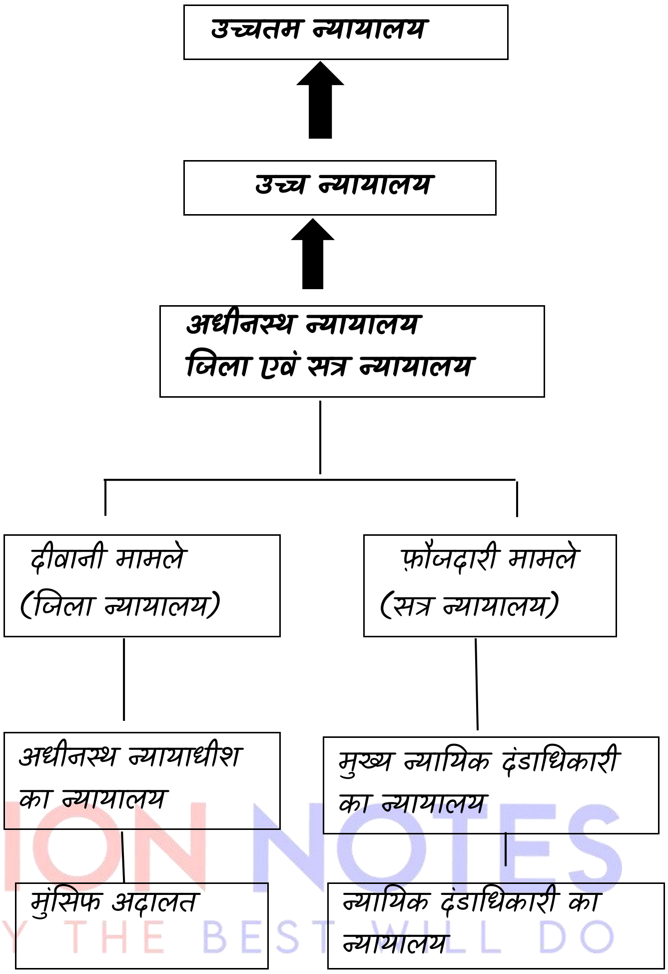


- भारत में उच्च न्यायालय संस्था का सर्वप्रथम गठन वर्ष 1862 में कलकत्ता, बंबई और मद्रास उच्च न्यायालयों के रूप में हुआ ।
- वर्ष 1866 में चौथे उच्च न्यायालय की स्थापना इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुई ।
- भारतीय संविधान के **भाग -6 के अनुच्छेद 214 से लेकर 232 तक** राज्यों के उच्च न्यायालय के संगठन एवं प्राधिकार संबंधी प्रावधानों का वर्णन किया गया है ।
- **अनुच्छेद 214** के तहत प्रत्येक राज्य में एक उच्च न्यायालय होगा लेकिन **अनुच्छेद 231** के अन्तर्गत संसद को दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय की व्यवस्था की शक्ति प्राप्त है। (7 वें संविधान 1956 के तहत)
- **अनुच्छेद 230 के तहत्** ससद कानून बनाकर किसी उच्च न्यायालय का विस्तार संघ शासित प्रदेश के लिए कर सकती है ।

  पहले भारत में 21 उच्च न्यायालय थे। मार्च 2013 में मेघालय, मणिपुर एवं त्रिपुरा में नए उच्च न्यायालय स्थापित किए गए हैं ।

- वर्तमान में 25 उच्च न्यायालय है । 25 वां उच्च न्यायालय आंध्रप्रदेश राज्य का जो 1 जनवरी, 2019 अमरावती में स्थापित हुआ है ।
- केन्द्रशासित प्रदेशों में दिल्ली ऐसा संघ क्षेत्र है जिसका अपना उच्च न्यायालय (वर्ष1966 से) है ।
- **NOTE : -** जम्मू - कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत जम्मू - कश्मीर राज्यों को दो केन्द्रशासित प्रदेशों (जम्मू - कश्मीर व लद्दाख) में विभाजित कर दिया गया । इससे पूर्व जम्मू कश्मीर राज्य में भी उच्च न्यायालय था लेकिन इस एक्ट के लागू होने के बाद जम्मू - कश्मीर राज्य का उच्च न्यायालय जम्मू - कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश में यथास्थित रहेगा ।
- निम्न संयुक्त उच्च न्यायालय है
  (i) पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ : - चंडीगढ़ उच्च न्यायालय
  (ii) महाराष्ट्र, गोवा, दमन व दीव, दादर एवं नागर हवेली- बॉम्बे उच्च न्यायालय
  (iii) असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मिजोरम :- गुवाहटी उच्च न्यायालय
  (iv) तमिलनाडु, पुडुचेरी : - मद्रास उच्च न्यायालय
  (v) केरल, लक्षद्वीप - एर्नाकुलम उच्च न्यायालय
  (vi) प. बंगाल, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह:- कलकत्ता उच्च न्यायालय

**गठन**

**अनुच्छेद 216** में उच्च न्यायालय के गठन का उल्लेख किया गया है । जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश होंगे । संविधान में न्यायाधीशों की संख्या निश्चित नहीं है । राष्ट्रपति समय - समय पर आवश्यकतानुसार न्यायाधीशों की संख्या निर्धारित करते है ।

**न्यायाधीशों की योग्यता**

- अनुच्छेद 217 (2) के अनुसार कोई व्यक्ति किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के योग्य तब होगा , जब वह
- भारत का नागरिक हो ।
- कम से कम 10वर्ष तक न्यायिक पद धारण कर चुका हो। या किसी उच्च न्यायालय में एक या से अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार 10 वर्ष तक अधिवक्ता रहा हो ।

**न्यायाधीशों की नियुक्त**

- उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है ।
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल से परामर्श के पश्चात की जाती है ।
- कॉलेजियम की अनुशंसा पर अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा उच्च न्यायालय के 2 वरिष्ठतम न्यायाधीश इस संदर्भ में पहल करते हैं ।
- इनके द्वारा उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम (भारत का मुख्य न्यायाधीश + 4 वरिष्ठतम न्यायाधीश ) के पास नाम भेजे जाते है । यह कॉलेजियम राष्ट्रपति को इस सन्दर्भ में अनुशंसा करते हैं ।

  **NOTE: -** 99 वें संविधान संशोधन अधिनियम 2014 तथा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम 2014 द्वारा SC एवं HC के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली की जगह राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC) का गठन किया गया लेकिन SC ने इस संशोधन एवं अधिनियम को असंवैधानिक घोषित कर दिया । वर्तमान में कॉलेजियम व्यवस्था के तहत ही न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है ।

**कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति**

- अनुच्छेद 223 के तहत जब किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद रिक्त हो या जब मुख्य न्यायाधीश की अनुपस्थिति के कारण या अन्यथा अपने पद के कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ हो, तब राष्ट्रपति न्यायायल के अन्य न्यायाधीशों में से किसी को मुख्य न्यायाधीश के कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त कर सकता है।

  **अनुच्छेद 224 में** अतिरिक्त और कार्यकारी न्यायाधीश का उल्लेख किया गया है।
- **अतिरिक्त का प्रावधान केवल उच्च न्यायालय के लिए है जबकि तदर्थ न्यायाधीश की नियुक्ति उच्च न्यायालय में नहीं की जाती ।**
- राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद निम्नलिखित परिस्थितियों में योग्य व्यक्तियों को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीशों के रूप में अस्थायी रूप से नियुक्त कर सकते है, जिसकी अवधि 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

  (i) यदि अस्थायी रूप से उच्च न्यायालय का कामकाज बढ़ गया हो । (ii) उच्च न्यायालय में बकाया कार्य अधिक हो। राष्ट्रपति उस पारिस्थितियों में योग्य व्यक्तियों को किसी उच्च न्यायालय का कार्यकारी न्यायाधीश नियुक्त कर सकता है जब उच्च न्यायालय का न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश के अलावा) अनुपस्थित या अन्य कारणों से अपने कार्यों का निष्पादन करने में असमर्थ हो तथा किसी न्यायाधीश को अस्थायी तौर पर संबंधित उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया हो ।

  **NOTE: -** हालांकि अतिरिक्त या कार्यकारी न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु के पश्चात पद पर नहीं रह सकता

**अनुच्छेद 224 A (15वें संविधान संशोधन 1963)** सेवा निवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति

- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश किसी भी समय उस उच्च न्यायालय अथवा किसी अन्य उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को अस्थायी के लिए बतौर कार्यकारी न्यायाधीश काम करने के लिए कह सकते हैं ।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

**अधीक्षण क्षेत्राधिकार**

- प्रत्येक उच्च न्यायालय को अपनी अधिकारिता के अधीनस्थित सभी न्यायालयों तथा अधिकरणों की अधीक्षण की शक्ति है, जिसके प्रयोग में वह ऐसे न्यायालयों / अधिकरणों से विवरणी मंगा सकता है,
- उनके अधिकारियों द्वारा रखी जाने वाली प्रविष्टियों और लेखाओं के प्रारूप निश्चित कर सकता है तथा उनके शुल्कों को नियत कर सकता है।

**प्रशासन संबंधित शक्तियाँ**

- उच्च न्यायालय को यह अधिकार है कि वह अपने अधीनस्थ न्यायालयों के किसी निर्णय के बारे में पूछताछ कर सकता है ।
- संविधान का **अनुच्छेद 227** उच्च न्यायालय को अन्य अधीनस्थ न्यायालयों के अधीक्षण की शक्ति देता है।
- उच्च न्यायालय को यह भी देखने का अधिकार है कि अधीनस्थ न्यायालय शक्ति का अतिक्रमण तो नहीं कर रहे हैं ।
- उच्च न्यायालय को अभियोगी को एक न्यायालय से दूसरे न्यायालय को स्थानांतरित करने का भी अधिकार है ।
- अनुच्छेद 228 के अंतर्गत उच्च न्यायालय संवैधानिक महत्त्व के प्रश्नों को अधीनस्थ न्यायालय से अपने पास मंगा सकता है ।
- **NOTE** - अनुच्छेद 229 के तहत् उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपने अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं । उनके सन्दर्भ में सेवा शर्तों का निर्धारण करना भी उच्च न्यायालय का ही कार्य है ।

**उच्च न्यायालय की न्यायिक पुनरवलोकन की शक्ति**

- उच्च न्यायालय की न्यायिक पुनरवलोकन की शक्ति राज्य विधानमंडल व केन्द्र सरकार दोनों के अधिनियमों और कार्यकारी आदेशों की संवैधानिकता के परीक्षण के लिए है।
- यदि वे संविधान का उल्लंघन करने वाले है तो उन्हें असंवैधानिक और शून्य घोषित किया जा सकता है ।
- यद्यपि न्यायिक पुनरवलोकन जैसे शब्द का उल्लेख संविधान में कही भी नहीं किया गया है लेकिन अनुच्छेद 13 और 226 में उच्च न्यायालय द्वारा समीक्षा के उपबंध स्पष्ट है ।

**अधीनस्थ न्यायालय**

- संविधान के भाग 6 न्यायालयों के गठन के बारे अनुच्छेद 233 से 237 तक अधीनस्थ में प्रावधान किया गया है ।
- अधीनस्थ न्यायालयों में जिला न्यायाधीश , नगर सिविल न्यायालय के न्यायाधीश , महानगर मजिस्ट्रेट और राज्य की न्यायिक सेवा के सदस्य आते हैं ।
- **अनुच्छेद 233** के तहत **जिला न्यायाधीशों** की नियुक्ति , पदस्थापना एवं पदोन्नति राज्यपाल द्वारा राज्य के उच्च न्यायालय के परामर्श से की जाती है ।
- **जिला न्यायाधीश की योग्यताएँ**

(a) वह केन्द्र या राज्य सरकार में किसी सरकारी सेवा में कार्यरत न हो ।

(b) उसे कम से कम 7 वर्ष से अधिवक्ता का अनुभव हो।

(c) उच्च न्यायालय ने उसकी नियुक्ति की सिफारिश की हो ।

**अनुच्छेद 234** अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति

- राज्यपाल राज्य लोक सेवा आयोग एवं उच्च न्यायालय के परामर्श के बाद जिला न्यायाधीश से भिन्न व्यक्ति को भी न्यायिक सेवा में नियुक्त कर सकता है। अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण (अनुच्छेद 235) जिला न्यायालयों एवं अन्य न्यायालयों में न्यायिक सेवा से संबंधित व्यक्ति की पदस्थापना, पदोन्नति एवं अन्य मामलों पर नियंत्रण का अधिकार राज्य के उच्च न्यायालय को होता है ।

**ग्राम न्यायालय**

- ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 के द्वारा 2 अक्टूबर, 2009 से ग्राम न्यायालयों की स्थापना की गई ।
- ग्राम न्यायालय का न्यायाधीश - न्यायाधिकार ( प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट) कहलाता है। इसकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से की जाती है ।
- ग्राम न्यायालय पंचायत के मध्य स्तर / खण्ड स्तर (पंचायत समिति) पर स्थापित किए जाते है ।
- ग्राम न्यायालय दीवानी (सिविल) व फौजदारी (आपराधिक) दोनों प्रकार के मामलों की सुनवाई का अधिकार रखता है ।
- ग्राम न्यायालय चलते - फिरते न्यायालय (मोबाइल कोर्ट) होगें, जो पास के गाँवों में जाकर मामलों की सुनवाई करेंगे। इसमें स्थानीय सामाजिक सक्रियतावादियों को मध्यस्थ / सुलहकर्ता के रूप में स्वीकार किया गया है ।
- ग्राम न्यायालय आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित नहीं किये जाते है ।
- ग्राम न्यायालय अधिकतम 2 वर्ष की सजा दे सकता है (जुर्माना सहित या रहित ) ।
- ग्राम न्यायालय के फैसले के विरुद्ध 30 दिन के अन्दर जिला एंव सत्र न्यायालय में अपील की जा सकती है । अपील पर जिला एवं सत्र न्यायालय 6 माह के अन्दर फैसला देगा ।
- राजस्थान में कुल 45 ग्राम न्यायालय है । राजस्थान का प्रथम ग्राम न्यायालय बस्सी (जयपुर) में 27 नवम्बर, 2010 को स्थापित किया गया ।

**ई-कोर्ट**

- न्यायालय की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से ई-कोर्ट का प्रचलन प्रारम्भ किया गया है । देश में पहला मॉडल ई-कोर्ट गुजरात में अहमदाबाद में अहमदाबाद सिटी सिविल एवंसेशन न्यायालय में स्थापित किया गया है।
- ई-कोर्ट में आरोपी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायाधीश के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्शा सकेंगे तथा बयान भी दे सकते हैं। इससे कारागारों से उन्हें न्यायालय तक लाने ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। कारागार व पुलिस मुख्यालय के अतिरिक्त फोरेंसिक लेबोरेटरी को भी इस पहले ई-कोर्ट परियोजना में न्यायालय से आनलाइन सम्बद्ध किया गया है।

**मोबाइल अदालत (Mobile Court)**

- मोबाइल कोर्ट अवधारणा के जनक भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ . ए.पी.जे. अब्दुल कलाम थे ।
- इसे प्राय 'पहियों पर न्याय' के नाम से जाना जाता है ।
- मोबाइल अदालत एक बस के भीतर कार्य करती है।
- इसके माध्यम से अदालत स्वयं जनता के पास पहुँचे ताकि जनता को त्वरित व सुलभ न्याय उपलब्ध हो सके तथा उनके समय व धन दोनों की बचत हो । भारत में प्रथम मोबाइल अदालत का प्रयोग वर्ष 2007 में हरियाणा के मेवात जिले में किया गया ।

**राजस्थान उच्च न्यायालय**

- राजस्थान उच्च न्यायालय राजस्थान का न्यायालय है।
- इसका मुख्यालय जोधपुर मे है।
- यह 29 अगस्त, 1949 को राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश, 1949 के अंतर्गत स्थापित किया गया । इसकी एक खण्डपीठ जयपुर में भी स्थित है।
- राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायधीशों की संख्या 50 तक हो सकती है।
- उस समत तात्कालिक राजप्रमुख सवाई मानसिंह-II ने न्यायधीश कमलकांत वर्मा को राजस्थान के प्रथम मुख्य न्यायधीश एवं II अन्य न्यायाधीशों को शपथ दिलाई।
- 8 मई , 1952 को राजप्रमुख ने एक अधिसूचना जारी कर निर्देश दिया कि 22 मई, 1952 से राजस्थान के लिए न्यायिक उच्च न्यायालय बीकानेर, कोटा एवं उदयपुर बैंच (खण्डपीठ) समाप्त हो गये लेकिन जयपुर खण्डपीठ को काम करने की स्वीकृति प्रदान की गई अर्थात् इसे समाप्त नहीं किया गया ।
- राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के बाद पी. सत्यनारायण राव की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिश (26 फरवरी, 1958) पर राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ जोधपुर ही रही, लेकिन खण्डपीठ जयपुर को समाप्त कर दिया गया ।
- राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा -51 के तहतत राष्ट्रपति ने राजस्थान उच्च न्यायालय आदेश 1976 जारी किया जिसके तहत 31 जनवरी, 1977 को जयपुर खण्डपीठ पुनः स्थापित की गई ।
- राजस्थान हाईकोर्ट में स्वीकृत न्यायाधीशों की कुल संख्या 50 है ।
- राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश - कमलकांत वर्मा ।
- राजस्थान उच्च न्यायालय के वर्तमान (39वें) मुख्य न्यायाधीश - न्यायमूर्ति एस.एस. सिंदे (21.06.2022 से लगातार )
- राजस्थान उच्च न्यायालय के सर्वाधिक कार्यकाल वाले मुख्य न्यायाधीश - **कैलाशनाथ वांचू**
- राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यकाल न्यूनतम कार्यकाल वाले मुख्य न्यायाधीश - **सुनिल अम्बवानी**
- राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश - **जे. एम. पांचाल**
- जस्टिस फारुक हसन 1985 से 1994 तक राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे ।
- 1972 में वह सवाई माधोपुर निर्वाचन क्षेत्र, राजस्थान में विधायक के रूप में चुने गए ।

**प्रश्नः-राजस्थान उच्च न्यायालय के निम्नांकित न्यायाधीशों में से कौन राजस्थान सरकार में राज्यमंत्री के पद पर आसीन रहे हैं? (RAS. PRE- 2021)**
**(A) जस्टिस यादराम मीणा**
**(B) जस्टिस फारुख हसन**
**(C) जस्टिस सूरज नारायण डीडवानिया**
**(D) जस्टिस मोहम्मद यामीन**
**उत्तर – (2)**

**राजस्थान के मुख्य न्यायधीश**

| क्र. | मुख्य न्यायधीश | कार्यकाल |
|---|---|---|
| 1. | न्यायमूर्ति कमलकांतवर्मा | 29.08.49 - 24.01.50 |
| 2. | न्यायमूर्ति कैलाशवांचू | 02.01.51 - 10.08.58 |
| 3. | न्यायमूर्ति सरजूप्रसाद | 28.02.59 - 10.10.61 |
| 4. | न्यायमूर्ति जे. एस. रानावत | 11.10.61 - 31.05.63 |
| 5. | न्यायमूर्ति डी. एस. दवे | 01.06.63 - 17.12.68 |
| 6. | न्यायमूर्ति डी. एम. भंडारी | 18.12.68 - 15.12.69 |
| 7. | न्यायमूर्ति जे. नाराया | 16.12.69 - 13.02.73 |
| 8. | न्यायमूर्ति बी. पी. बेरी | 14.02.73 - 16.02.75 |
| 9. | न्यायमूर्ति पी. एन. सिंघल | 17.02.75 - 05.11.75 |
| 10. | न्यायमूर्ति वी. पी. त्यागी | 06.11.75 - 27.12.77 |

- देश के विकास हेतु संस्थाओ का निर्माण
- योजना के अंतर्गत सिंचाई, ऊर्जा, परिवहन को मजबूत करना
- पंचायत राज, नगर पालिका, मानव संसाधन की नींव को और अधिक मजबूत बनाने की नीति बनायीं

**नवीं पंचवर्षीय योजना 1997-2002 (आगत-निर्गत मॉडल पर आधारित)**

इस योजना अंतर्गत सभी कार्य को बराबर तरीके से देश का आर्थिक विकास करना था। इसे भारत के 50वे वर्ष होने के दौरान लागू किया गया था। विकास हेतु इसमें 15 साल पुरानी योजनीति अपनायी गयी, लेकिन यह योजना अपने सभी आर्थिक विकास हेतु सफल नहीं रही। परन्तु अन्य योजना का उद्देश्य गरीबी को समाप्त करना, घरेलु संसाधनों द्वारा आत्मनिर्भर बनना, नए रोजगार के अवसर, मानव विकास, आदि जैसे कार्य को जारी रखा गया। इसके अलावा कृषि क्षेत्र, ग्रामीण लोगो का विकास, शिक्षा हेतु निर्माण, साफ़ पीने का पानी,आदि सभी कार्य जारी रहे। इसका लक्ष्य 6.5% रखा गया, इसकी वृद्धि 5.5 % हुई। योजना के अंतर्गत कई रोजगार की योजना को बनाया गया। रोजगार योजनाएं इस प्रकार से हैं:

जवाहर ग्राम समृद्धि योजना

स्वर्ण जयंती सेहरी रोजगार योजना

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना

प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

**योजना के तहत किये गए मुख्य उद्देश्य एवं कार्य**

- योजना का उद्देश्य गरीबी को समाप्त करना, घरेलु संसाधनों द्वारा आत्मनिर्भर बनना, नए रोजगार के अवसर, देश की आर्थिक विकास इसकी प्राथमिकता थी
- प्राथमिक संस्थानों का उचित और सही तरीके से उपयोग करना
- ग्रामीण क्षेत्रों को और अधिक बल देना
- वृद्धा पेंशन योजना 2021 Payment Status

**दसवीं पंचवर्षीय योजना 2002-2007**

इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश से गरीबी को पूरी तरह मिटाकर देश को और मजबूत बनाना था। देश के लोगो के लिए नए अवसर लेकर बेरोजगारी को खत्म करना इसका लक्ष्य था। और हर एक नागरिक की आय को दोगुनी करके देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। 2003 में सभी स्कूलों में बच्चो की दाखिले करवाए गए। 2001-2011 के बीच में देश की जनसंख्या में 16.2% की कमी नजर आयी । इसका लक्ष्य 8% रखा गया, इसकी वृद्धि 7.7 % हुई

**योजना के तहत किये गए मुख्य उद्देश्य एवं कार्य**

अविकसित जगहों पर लोगो को रोजगार दिया गया जिससे वह आत्मनिर्भर बन ।

प्राथमिक शिक्षा को 2007 में सबसे ऊँचे स्थान का दर्जा दिया गया ।

अभी तक की पंचवर्षीय योजनाओ में सबसे ज्यादा ध्यान कृषि विकास और ज्यादा खर्च ऊर्जा पर किया गया ।

**ग्यारवीं पंचवर्षीय योजना 2007-2012**

इस योजना का मुख्य उद्देश्य सबसे ज्यादा विकास की गति को बढ़ाना एवं इंक्लूसिव तरीके से विकास होना इसका एकमात्र लक्ष्य था। इस योजना के दौरान भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह थे। इस योजना की प्लानिंग रंगराजन द्वारा बनाई गयी। योजना के तहत 2012 में सभी नदियों एवं जल क्षेत्रों को को साफ़ करने का निर्णय भी लिया गया। योजना का कुल बजट 71731.98 रुपये था। इसका लक्ष्य 8.1% रखा गया, इसकी वृद्धि 7.9% हुई। योजना के दौरान नागरिको के हित के लिए 3 नयी योजनाएं शुरु करवाई गयी। योजनाएं इस प्रकार से हैं:

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना

आम आदमी बीमा योजना

राजीव आवासीय योजना

**योजना के तहत किये गए मुख्य उद्देश्य एवं कार्य**

- विकास हेतु साल भर में 9% का लक्ष्य रखा गया
- कृषि के विकास हेतु 4% और उद्योग एवं सेवाओं 9-11% का लक्ष्य रखा गया
- ग्यारवीं पंचवर्षिय योजना की थीम "तेज़ और अधिक समावेशी" विकास रखी गयी थी
- ऊर्जा को और अधिक विकसित करके ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली को पहुँचाना था
- सभी के लिए पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना भी इसका उद्देश्य था

**बारवीं पंचवर्षीय योजना 2012-2017**

बारवीं पंचवर्षिय योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी विकास हेतु ऊर्जा, उद्योग, कृषि, संचार एवं परिवहन जैसी सुविधाओं को देने की शुरुवात हुई। इस योजना के अंतर्गत सामाजिक कार्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, ऊर्जा, हेतु जोर दिया गया। आर्थिक विकास के लिए सालाना 10% का लक्ष्य रखा गया। आर्थिक विकास के लिए ग्यारवीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य 9% से घटाकर 8.1% कर दिया गया।

**योजना के तहत किये गए मुख्य उद्देश्य एवं कार्य**

सभी ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो के घरो में 2017 तक बिजली की सुविधा उपलब्ध कराना ।

सभी नागरिको के स्वास्थ के हित हेतु पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना ।

सभी को बैंकिंग की सुविधा हेतु जागरुक करना ।

लड़का लड़की, अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़े वर्ग एवं अन्य लोगों के बीच असमानता खत्म करना ।

यह अंतिम पंचवर्षीय योजना थी, जिसके बाद केवल 5 साल की डिफेन्स प्लान ही लागू रहेंगी ।

**महत्त्वपूर्ण जानकारी :**

मोदी सरकार ने 2014 में योजना आयोग को खत्म कर दिया जिसके देख रेख में पंचवर्षीय योजना चलती आयी थी। इसके बदले 2015 में नीति आयोग बनायीं गयी ।

**तेहरवीं पंचवर्षीय योजना :**

वर्तमान समय में पंचवर्षीय योजनाओं को बंद कर दिया गया है। तेहरवीं पंचवर्षीय योजना नहीं बनायीं जाएँगी। बारहवीं पंचवर्षीय योजना के बाद नीति आयोग ने एक ड्राफ्ट एक्शन प्लान पेश किया है। जिसमें 15 साल का लॉन्ग टर्म संदृश्य प्रलेख (विजन डॉक्यूमेंट) तैयार किया है। जिसमें **सात साल की रणनीति** (strategy) बनायीं है। और **Three Year Action Agenda** पेश किया जायेगा। जिसमें यह साफ - साफ लिखा गया है, कि सरकार देश के नागरिकों के हित में क्या-क्या की **सुविधाएँ, योजनाएँ** देने वाली है। जो की सरकार को 2035 तक देश के विकास में मार्ग दर्शित करेंगी ।

**नीति आयोग 15 साल के लॉन्ग टर्म विजन**

सरकार द्वारा इस लक्ष्य से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा, देश स्वच्छ और सुरक्षित होगा, भ्रष्टाचार, खत्म किया जायेगा। हर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के लोगों के घरों में बिजली की सुविधाएँ उपलब्ध होगीं । पर्यावरण बिल्कुल स्वच्छ और साफ़ होगा। इसी को मध्य नजर रखते हुए सरकार द्वारा यह प्लान बनाए गए हैं।

पंद्रह वर्षीय विजन डॉक्युमेंट: 2017-18 से 2031-32 तक

**सात वर्षीय रणनीति: 2017-18 से 2023-24 तक**

**त्रिवर्षीय कार्य योजना: 2017-18 से 2019-20**

- इस प्लान के अंतर्गत देश के नागरिकों के घर में कई तरह की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी जैसे: जिन लोगों के घरों में शौचालय नहीं है, उन घरों में शौचालय का निर्माण किया जायेगा । इसके अलावा सभी घरों में एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध होंगे, बिजली सभी राज्य के पिछड़े गाँव में दी जाएगी।
- सरकार यह निश्चित करना चाहती है की देश में आधे से ज्यादा लोगो अपनी आर्थिक क्षमता के हिसाब से जरुरत की चीजे जैसे: दो पहिया वाहन, ऐसी और जरुरत की वस्तुओं को खरीदने में समर्थ हो।
- तीन साल का एक्शन एजेंडा के अंतर्गत कृषि विकास और उद्योग एवं सेवाओं की रणनीति तैयार की जाएगी, इसके अलावा इसके अंदर क्षेत्र का विकास, शिक्षा हेतु प्राथमिकता, स्वच्छ पर्यावरण, जल संसाधनों को और ज्यादा मजबूत करना आदि प्लान तैयार की गयी है।
- सभी लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएँ समय पर उपलब्ध कराई जाएं , यही इसका लक्ष्य होगा।
- देश के सभी सामाजिक क्षेत्रों को उठाकर ऊपर लाना और भारी उद्योगों (heavy industries) का निर्माण करना
- देश का आर्थिक विकास हेतु सड़क मार्ग, रेलवे, हवाई जहाज, समुद्री मार्ग को और अच्छे से develop किया जायेगा।
- सरकार का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य यह है, कि देश की जीडीपी को और अधिक बेहतर बना सके, बता दे की भारत की जीडीपी पिछले 15 साल पहले 91 लाख करोड़ रुपये बढ़ी।
- इस प्लान के माध्यम से यह संभव किया जा रहा की आने वाले 15 सालों में भारत की जीडीपी 332 लाख करोड़ से बढ़कर 469 करोड़ हो जाएगी। अभी देश की जीडीपी 137 लाख करोड़ रुपये है।
- इस योजना के तहत् रेमिडियल क्लासेज द्वारा कमजोर बच्चों और पिछड़े वर्ग के बच्चों को अलग से शिक्षा दी जाएगी । क्लास रुम, बुक्स आदि के सभी माध्यम को धीरे - धीरे खत्म किया जायेगा।
- सभी स्कूली बच्चे अब इंटरनेट की सुविधा से ऑनलाइन पढ़ाई कर पाएंगे। सिविल सर्विसेज के अथवा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर होने वाली परीक्षाओं, अन्य प्रतियोगिताओं के लिए छात्रों के लिए कई तरह की सुविधाएँ, सेवाएँ, और गाइडेंस दिए जायेंगे। जिससे आने वाले समय में देश की तरक्की होगी और देश का आर्थिक विकास होगा।

**13th five year डिफेन्स प्लान क्या है?**

- रक्षा योजना को अभी तक पंचवर्षीय योजनाओं में जोड़ा गया है। जिसकी शुरुवात 1964-69 में हुई। जबकि डिफेन्स प्लान को पंचवर्षीय के तीसरे वर्ष (1962) के समय से शुरू किया गया। इसे "डिफेन्स फाइव ईयर प्लान" भी कहा गया।
- पंचवर्षीय योजना को बंद करने से इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पांच साल की डिफेन्स प्लान योजना को ऐसी जारी रखा जायेगा। इस प्लान योजना की सूचना फाइनेंस मिनिस्टर को दी जाती है, क्योंकि सहायता हेतु रक्षा बलों के लिए इसकी जानकारी देनी आवश्यक होती है।
- 15 साल के विज़न डॉक्यूमेंट में आतंरिक सुरक्षा और रक्षा को भी शामिल किया जायेगा।
- जो की अब पंचवर्षीय योजनाओं का हिस्सा नहीं रही। अब इसकी देख रेख नीति आयोग द्वारा की जाएगी।

**सामाजिक-आर्थिक परिवीक्षणीय लक्ष्य**

| | सामाजिक संकेतक | इकाई | बारहवीं योजना के लक्ष्य राजस्थान |
|---|---|---|---|
| 1. | शिशु मृत्यु दर | शिशु मृत्यु प्रति हजार जीवित जन्मी पर | 40 |
| 2. | मातृ मृत्यु अनुपात | मातृ मृत्यु प्रति लाख जीवित जन्मों पर | 200 |
| 3. | सकल प्रजनन दर | बच्चे प्रति महिला | 2.5 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण | प्रतिशत में | 25.3 |
| 5. | महिलाओं में रक्त अल्पता (15-49 वर्ष) | प्रतिशत में | 24.3 |
| 6. | **लिंग अनुपात (0-6 वर्ष)** | **बालिकाएँ प्रति हजार बालकों पर** | **912** |
| 7. | **कुल साक्षरता दर** | **प्रतिशत में** | **79.57** |
| 8. | **पुरुष साक्षरता दर** | **प्रतिशत में** | **91.89** |
| | **महिला साक्षरता दर** | **प्रतिशत में** | **66.22** |

**राजस्थान में औद्योगिक नीतियाँ :-**

- राजस्थान में अब तक कुल **6 औद्योगिक नीतियाँ** लागू की जा चुकी हैं।

**1. राजस्थान की पहली औद्योगिक नीति-**

- राजस्थान में **पहली औद्योगिक** नीति **24 जून 1978** को लागू की गई थी।
- **प्रथम** औद्योगिक नीति राजस्थान के **मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत** के **कार्यकाल** में लागू की गई थी।

**2. राजस्थान की दूसरी औद्योगिक नीति-**

- राजस्थान में **दूसरी औद्योगिक** नीति **अप्रैल 1991** को लागू की गई थी।
- **दूसरी औद्योगिक नीति** राजस्थान के **मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत** के कार्यकाल में लागू की गई थी।

**3. राजस्थान की तीसरी औद्योगिक नीति-**

- राजस्थान में **तीसरी औद्योगिक नीति 15 जून 1994** को लागू की गई थी।
- **तीसरी औद्योगिक** नीति **राजस्थान के मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत** के कार्यकाल में लागू की गई थी।

**4. राजस्थान की चौथी औद्योगिक नीति-**

- **राजस्थान में चौथी औद्योगिक** नीति **4 जून 1998** को लागू की गई थी।
- चौथी औद्योगिक नीति राजस्थान के मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत के कार्यकाल में लागू की गई थी।

**5. राजस्थान की पांचवीं औद्योगिक नीति-**

- राजस्थान में **5वीं औद्योगिक नीति जून 2010** को लागू की गई थी।
- **5 वीं औद्योगिक** नीति राजस्थान के **मुख्यमंत्री अशोक गहलोत** के कार्यकाल में लागू की गई थी।

**6. राजस्थान की छठी औद्योगिक नीति-**

- राजस्थान में **छठी औद्योगिक नीति 8 अगस्त 2015** को लागू की गई थी।
- **छठी औद्योगिक नीति** राजस्थान की **मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे** के कार्यकाल में लागू की गई थी।

**राजस्थान में स्थित उद्योग से संबंधित प्रमुख संस्थाएं-**

**1. रीको / RIICO-**

- पूरा नाम- Rajasthan State Industrial Development and Investment Corporation (राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम)
- मुख्यालय- जयपुर (राजस्थान)
- स्थापना- 28 मार्च 1969
- कार्य-
- राजस्थान के मध्यम एवं वृहत उद्योगों को विकसित करने के लिए उन्हें ऋण एवं जमीन उपलब्ध करवाना।

**2. आरएफसी / RFC -**

- पूरा नाम- Rajasthan Finance Corporation (राजस्थान वित्त निगम)
- मुख्यालय- जयपुर (राजस्थान)
- स्थापना- 17 मार्च 1955
- कार्य- राजस्थान के लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए वित्तिय सहायता (ऋण देना) प्रदान करना।

**योजनाएँ-**

- सेमफेक्स योजना- यह योजना भूतपूर्व सैनिक के लिए है।
- शिल्पबाड़ी योजना- यह योजना छोटे शिल्पकारों के लिए है।
- टेक्नोक्रेट योजना- यह योजना तकनीकी शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों या बेरोजगारों के लिए है।

**3. राजसिको / RAJSICO-**

- पूरा नाम- Rajasthan Small State Industrial Corporation (राजस्थान लघु राज्य औद्योगिक निगम)
- मुख्यालय- जयपुर (राजस्थान)
- स्थापना- 3 जून 1961
- कार्य-
- राजस्थान के लघु हस्त शिल्प उद्योगों को सहायता और प्रोत्साहन करना।
- राजस्थली - **राजसिको ने** पूरे **भारत में** अपने **हस्त शिल्प शोरूम राजस्थली** के **नाम** से लगा रखे है।

**4. रूडा / RUDA-**

- पूरा नाम- Rural Non Urban Form Developement Agency (ग्रामीण गैर शहरी फॉर्म विकास एजेंसी)
- मुख्यालय- जयपुर (राजस्थान)
- स्थापना- 1995
- कार्य - गैर कृषि ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देना।
- **सेवा क्षेत्र**

**2021-22 में राजस्थान की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र**

**सेवा क्षेत्र**

- प्रचलित मूल्यों पर योगदान : 45.10%
- स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वृद्धि : 11.89%

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न, 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न, 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

| EXAM (परीक्षा) | DATE | हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या |
|---|---|---|
| RAS PRE. 2021 | 27 अक्तूबर | 74 प्रश्न आये |
| RAS Mains 2021 | October 2021 | 52% प्रश्न आये |
| RAS Pre. 2023 | 01 अक्तूबर 2023 | 96 प्रश्न (150 मेंसे) |
| SSC GD 2021 | 16 नवम्बर | 68 (100 में से) |

whatsapp - https://wa.link/bc7sin 1 web.- https://bit.ly/ras-pre-notes

| | | |
|---|---|---|
| SSC GD 2021 | 08 दिसम्बर | 67 (100 में से) |
| RPSC EO/RO | 14 मई (1st Shift) | 95 (120 में से) |
| राजस्थान S.I. 2021 | 14 सितम्बर | 119 (200 में से) |
| राजस्थान S.I. 2021 | 15 सितम्बर | 126 (200 में से) |
| RAJASTHAN PATWARI 2021 | 23 अक्तूबर (1st शिफ्ट) | 79 (150 में से) |
| RAJASTHAN PATWARI 2021 | 23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट) | 103 (150 में से) |
| RAJASTHAN PATWARI 2021 | 24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट) | 91 (150 में से) |
| RAJASTHAN VDO 2021 | 27 दिसंबर (1st शिफ्ट) | 59 (100 में से) |
| RAJASTHAN VDO 2021 | 27 दिसंबर (2nd शिफ्ट) | 61 (100 में से) |
| RAJASTHAN VDO 2021 | 28 दिसंबर (2nd शिफ्ट) | 57 (100 में से) |
| U.P. SI 2021 | 14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट | 91 (160 में से) |
| U.P. SI 2021 | 21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट) | 89 (160 में से) |
| Raj. CET Graduation level | 07 January 2023 (1st शिफ्ट) | 96 (150 में से ) |
| Raj. CET 12th level | 04 February 2023 (1st शिफ्ट) | 98 (150 में से ) |

**& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.**

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

# Our Selected Students

## Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

| Photo | Name | Exam | Roll no. | City |
|---|---|---|---|---|
| | **Mohan Sharma S/O Kallu Ram** | Railway Group - d | 114195120370022 | PratapNagar Jaipur |
| | **Mahaveer singh** | Reet Level- 1 | 1233893 | Sardarpura Jodhpur |
| 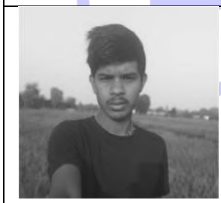 | **Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati** | SSC CHSL tier-1 | 2006018079 | Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP |
| N.A | **Mahender Singh** | EO RO (81 Marks) | N.A. | teh nohar , dist Hanumangarh |
| | **Lal singh** | EO RO (88 Marks) | 13373780 | Hanumangarh |
| N.A | **Mangilal Siyag** | SSC MTS | N.A. | ramsar, bikaner |

whatsapp - https://wa.link/bc7sin 3 web.- https://bit.ly/ras-pre-notes

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **MONU S/O KAMTA PRASAD** | SSC MTS | 3009078841 | kaushambi (UP) |
| | **Mukesh ji** | RAS Pre | 1562775 | newai tonk |
| | **Govind Singh S/O Sajjan Singh** | RAS | 1698443 | UDAIPUR |
| | **Govinda Jangir** | RAS | 1231450 | Hanumangarh |
| N.A | **Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma** | RAS | N.A. | Churu |
| | **DEEPAK SINGH** | RAS | N.A. | Sirsi Road , Panchyawala |
| N.A | **LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL** | RAS | N.A. | AKLERA , JHALAWAR |
| N.A | **Ramchandra Pediwal** | RAS | N.A. | diegana , Nagaur |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **Monika jangir** | RAS | N.A. | jhunjhunu |
| | **Mahaveer** | RAS | 1616428 | village-gudaram singh, teshil-sojat |
| N.A | **OM PARKSH** | RAS | N.A. | Teshil-mundwa Dis- Nagaur |
| N.A | **Sikha Yadav** | High court LDC | N.A. | Dis- Bundi |
| 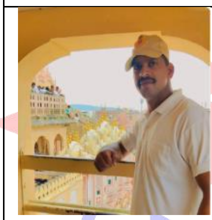 | **Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel** | Rac batalian | 729141135 | Dis.-Bhilwara |
| N.A | **mukesh kumar bairwa s/o ram avtar** | 3rd grade reet level 1 | 1266657 | JHUNJHUNU |
| N.A | **Rinku** | EO/RO (105 Marks) | N.A. | District: Baran |
| N.A. | **Rupnarayan Gurjar** | EO/RO (103 Marks) | N.A. | sojat road pali |
| | **Govind** | SSB | 4612039613 | jhalawad |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **Jagdish Jogi** | EO/RO (84 Marks) | N.A. | tehsil bhinmal, jhalore. |
| | **Vidhya dadhich** | RAS Pre. | 1158256 | kota |

*And many others……*

FREE SAMPLE

**नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें**

**Whatsapp करें – [https://wa.link/bc7sin](https://wa.link/bc7sin)**

**Online order करें – [https://bit.ly/ras-pre-notes](https://bit.ly/ras-pre-notes)**

**Call करें - 9887809083**